जबलपुर
रविवार, 6 अप्रैल 2025
- चैत मास शुक्ल पक्ष-9
- वर्ष : 19, अंक : 330
- पृष्ठ : 8+6=14 मूल्य : 3.00*

मौसम
अधि. 37
न्यून. 20

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
हैदराबाद — गुजरात
शाम 7.30 बजे से

नवमी-मां सिद्धिदात्री

सिद्ध गन्धर्व यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।

खबर संक्षेप

शिर्डी में भीख मांगते मिले इसरो के पूर्व अधिकारी!

शिर्डी। विशेष अभियान में एक भिखारी अंग्रेजी में भीख मांगता हुआ मिला। पुलिस ने पूछताछ की तो उसने खुद का नाम केएस नारायणन बताते हुए कहा कि वे सेवानिवृत्त इसरो अधिकारी बताया। 2008 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। के.एस. नारायणन ने कहा कि वह दर्शन के लिए शिर्डी आते हैं। बैग चोरी हो गया। पैसे नहीं थे।

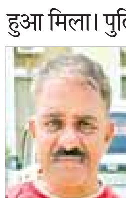

बाघ के नाखूनों की तस्करी करने वाले तीन गिरफ्तार

शहडोल। बाघ के नाखूनों की तस्करी करते तीन आरोपियों को वन विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है। यह नाखून संजय गांधी टाइगर रिजर्व में मृत पड़े बाघ से आरोपियों ने निकले थे और बिक्री करने की फिराक में थे। तभी वन विभाग की विशेष टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से पांच नाखून और दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

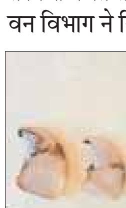

चलती बस में हार्ट अटैक चालक की सांसें थमी

आगर मालवा। कानड़ में यात्रियों से भरी एक बस के ड्राइवर को चलती बस में अचानक हार्ट अटैक आ गया। स्टीयरिंग पर ही उसकी सांसें टूट गईं। किस्मत से सभी यात्री सुरक्षित रहे। बस कानड़ बस स्टैंड से 9:25 बजे रवाना हुई थी। बस चालक रईसुद्दीन निवासी आगर मालवा की तबीयत बिगड़ी और कुछ ही क्षणों में अटैक आ गया।

अब तक 22 देशों के सर्वोच्च पुरस्कार से नवाजे जा चुके हैं पीएम मोदी

श्रीलंका ने मोदी को दिया 'मित्र विभूषण सम्मान' प्रधानमंत्री बोले- ये करोड़ों भारतीयों का सम्मान

श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध होने पर ही मिलता है सम्मान

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच बहुत गहरी दोस्ती है। हम ऐसे पड़ोसी हैं जिनके बीच गहरे ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं और ये संबंध लंबे समय से चले आ रहे हैं। हमारे संबंध साझा मूल्यों, आपसी सम्मान और समान हितों पर आधारित हैं।

एजेंसी ⏭ कोलंबो

श्रीलंका की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान' से सम्मानित किया है। श्रीलंका की सरकार यह सम्मान उन देशों के राष्ट्राध्यक्षों को देती है, जिनके श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध होते हैं। भारत के ऐतिहासिक तौर पर श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध रहे हैं।

पीएम मोदी ने उठाया मछुआरों का मुद्दा

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंध हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि 1960 में गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के अवशेष को श्रीलंका में दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। त्रिंकोमाली के थिरुकोनेश्वरम मंदिर के जीर्णोद्धार में भारत सहयोग देगा। हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम सहमत हैं कि हमें इस मामले एक मानवीय सहायता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने वाराणसी में विद्यार्थियों से किया 'सीधा संवाद'

हिंदुओं के मंदिर-पानी और श्मशान एक हों, सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं

विधि-विधान से 15 मिनट मंत्रोच्चार के बीच विश्वनाथ बाबा का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया

एजेंसी ⏭ वाराणसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को वाराणसी में कहा कि श्मशान, मंदिर और पानी सब हिंदुओं के लिए एक होना चाहिए। इसी लक्ष्य के साथ संघ काम कर रहा है। हिंदू समाज के सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं। यही संघ की परिकल्पना है। संघ का मतलब सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा देना है। शनिवार सुबह वे काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से 15 मिनट मंत्रोच्चार के बीच बाबा का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया।संघ प्रमुख आईआईटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 70 मिनट तक रहे। उन्होंने आईआईटी के 100 से ज्यादा छात्रों का योग, खेल और वैदिक मंत्रों का उच्चारण देखा। छात्र उन्हें देख कर जय बजरंगी, भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करते दिखे।

संघ प्रमुख आईआईटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 70 मिनट तक रहे

आईआईटी के 100 से ज्यादा छात्रों का योग खेल और वैदिक मंत्रों का उच्चारण देखा

संघ प्रमुख ने कहा कि हम अपनी भाषा, संस्कृति और संस्कार को बचाने के लिए खुद से पहल करें

डॉ. भागवत ने पूछा...
बताइए संघ क्या है?

डॉ. भागवत ने छात्रों से पूछा- क्या आप संघ को समझते हैं, बताइए संघ क्या है? इस पर छात्रों ने कहा- संघ का मतलब हिंदुत्व को बढ़ावा देना। सनातन की रक्षा करना। धर्म कोई भी हो, सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा दिखाना, यही संघ है। संघ संगठन का उद्देश्य हिंदू धर्म को मजबूत करने का है। हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यता के मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना है। यह आपको भी ख्याल रखना चाहिए। हिंदू समुदाय को मजबूत करने के साथ ही हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा है।

तब केसी सुदर्शन को नहीं मिली थी अनुमति

उन्होंने बताया कि तत्कालीन संघचालक केसी सुदर्शन को विज्ञान भारती के एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। उनका आना तय भी था, लेकिन तब बीएचयू प्रशासन ने उन्हें परिसर में आने की अनुमति देने से इंकार कर दिया था। उनकी जगह दूसरे केंद्रीय पदाधिकारी आए थे। तब प्रो. पंजाब सिंह बीएचयू के कुलपति थे।

बीएचयू में छह दशक बाद तीसरे संघ प्रमुख का प्रवास

डॉ. भागवत ने शुक्रवार को बीएचयू में लगभग छह दशक पुरानी एक परंपरा पुनर्जीवित की। वह तीसरे संघ प्रमुख हैं जिनका बीएचयू के छात्रों के बीच कार्यक्रम हुआ है। हालांकि महामना मालवीय की बगिया में भैयाजी दाणी, राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया, केसी सुदर्शन का भी प्रवास हुआ है, लेकिन तब वह संघचालक नहीं थे। संघ के संस्थापक डॉ. केशव हेडगेवार पहले संघचालक थे, जिनका बीएचयू के विद्यार्थियों के बीच कई बार प्रवास हुआ था। तब संघ के द्वितीय संघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरुजी' बीएचयू में छात्र और बाद में प्राध्यापक थे। डॉ. हेडगेवार के संपर्क में आने के बाद वह संघ से जुड़े। बाद में वह संघचालक के रूप में भी बीएचयू आए थे। संघ के एक बुजुर्ग स्वयंसेवक ने याद किया कि लगभग छह दशक बाद मोहन भागवत संघचालक के रूप में बीएचयू पहुंचे हैं।

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री-श्री रविशंकर ने 'रामनवमी' पर 'हरिभूमि' के लिए लिखा विशेष आलेख

अपने भीतर के राम को पहचानिए!

श्री श्री रवि शंकर

इस राम नवमी अपने भीतर के राम को जाग्रत करें और अपने जीवन को सत्य, प्रेम और प्रकाश से आलोकित करें

रामनवमी विशेष

रामायण न केवल एक ऐतिहासिक ग्रंथ है, बल्कि यह हमारे भीतर चलने वाली आध्यात्मिक यात्रा का भी प्रतीक है। इसके सभी पात्र और घटना हमारे जीवन के किसी न किसी पहलू को दर्शाते हैं। राम का अर्थ प्रकाश, दिव्यता और आत्मा से है। यह हमारे भीतर की चेतना है, जो हमें सही मार्ग पर ले जाती है। जब भीतर का प्रकाश जाग्रत होता है, तब सच्चे अर्थों में राम हमारे भीतर जन्म लेते हैं। दशरथ का अर्थ 'दस रथ' अर्थात दस इंद्रियां - पांच ज्ञानेंद्रियां (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) और पांच कर्मेंद्रियां (हाथ, पैर, मुंह, गुदा, जननेंद्रिय) हैं। जब ये इंद्रियां संतुलित होती हैं और कुशलता (कौशल्या) से जुड़ती हैं, तब आत्मा रूपी श्रीराम का जन्म होता है। यह दर्शाता है कि जब हम अपने इंद्रियों को नियंत्रित करते हैं और कुशलता से कार्य करते हैं, तब हमारे भीतर दिव्यता प्रकट होती है। लक्ष्मण जागरूकता का प्रतीक हैं, जो आत्मा के साथ हमेशा रहती है। भरत चमक और प्रतिभा को दर्शाते हैं, जो हमारे भीतर की सकारात्मक ऊर्जा है। शत्रुघ्न का अर्थ शत्रु का नाश करने वाला होता है। जब भीतर शत्रु उत्पन्न ही नहीं होते, तो हमें उनसे लड़ने की आवश्यकता ही नहीं होती। यह दर्शाता है कि आत्मा जब जागृत होती है, तो सभी नकारात्मक भाव समाप्त हो जाते हैं। अयोध्या हमारे शरीर का प्रतीक है, जो वध करने लायक नहीं है। हमारा शरीर एक मंदिर है, जिसमें आत्मा रूपी राम का वास होता है। जब हमारा मन और आत्मा संतुलन में होते हैं, तब हम सच्चे अर्थों में अयोध्या में निवास करते हैं। सीता मन का हैं। जब मन लोभ और मोह के वशीभूत हो जाता है, तब अहंकार रूपी रावण उसे हरण कर लेता है। यही कारण है कि जब हम अपने मन को विषय-वासना और अहंकार में उलझा देते हैं, तो हमारा जीवन असंतुलित हो जाता है। हनुमान प्राण-शक्ति के प्रतीक हैं। जब आत्मा और मन अलग हो जाते हैं, तब प्राण-शक्ति (हनुमान) ही उन्हें पुनः जोड़ने का कार्य करती है।

संत प्रेमानंद की बिगड़ी तबीयत

पदयात्रा पर नहीं निकले आश्रम से आई खबर... रोने लगे भक्त

एजेंसी ⏭ मथुरा

संत प्रेमानंद का अचानक स्वास्थ्य खराब हो गया। इस वजह से वे पदयात्रा पर नहीं निकले। इंतजार में बैठे भक्तों को जब आश्रम से ये जानकारी दे गई, तो वे रोने लगे। वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज का स्वास्थ्य खराब होने के कारण उनकी रात्रि की पदयात्रा गुरुवार की रात को नहीं हुई। भक्त सड़क पर बैठकर इंतजार कर रहे थे लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के कारण माइक से यह सूचना दी कि महाराजजी इस रात पदयात्रा पर नहीं जाएंगे। ये खबर सुनकर भक्त रोने लगे। संत प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा मार्ग पर शुक्रवार की रात भक्त इंतजार कर रहे थे।

- हालांकि, शुक्रवार को पदयात्रा पर निकले

वे भोपाल से देवास जा रहे थे

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज के काफिले का वाहन पलटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल से देवास जा रहे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के काफिले में शामिल पुलिस की गाड़ी आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बेदाखेड़ी के पास हादसे का शिकार हो गई है। काफिले में शामिल गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें सवार 3 पुलिस जवान घायल हुए हैं। घायल जवानों को तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिवराज सिंह चौहान शनिवार को भोपाल से देवास जिले के खातेगांव संदलपुर जा रहे थे। उनका काफिला जैसे ही आष्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेदाखेड़ी के पास पहुंचा तो काफिले में शामिल एक फॉलो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

- तीन पुलिसकर्मी घायल, अस्पताल में इलाज

2 दमकल, 50 ट्रैक्टरों ने पाया काबू

रायसेन: भीषण आग में 100 एकड़ फसल जलकर हुई राख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

जिले के ग्राम मुड़िया खेड़ा में शनिवार दोपहर गेहूं की फसल और नरवाई में आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग ने तेजी से फैलते हुए करीब 100 एकड़ फसल को अपनी चपेट में ले लिया। भीषण आग में करीब एक दर्जन से अधिक किसानों की फसल जलकर खाक हो गई। पीड़ित किसानों ने बताया कि तेज हवा चलने से लगभग 100 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसलें आग की भेंट चढ़ गई। सूचना मिलते ही रायसेन और गैरतगंज से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

नरवाई में झुलसा बुजुर्ग, मौत

नर्मदापुरम के माखननगर के ग्राम भटवाड़ा में नरवाई में आग लगने से एक बुजुर्ग की झूलसने से मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक मृतक अमरसिंह पिता रामदास यादव (58) निवासी भटवाड़ा गांव है। रोजाना की तरह सुबह 7 बजे वे गाय को चराने के लिए लेकर गए थे।

सुप्रीम कोर्ट से खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को बड़ी राहत

मानसिंह के मामले में एसआईटी के गठन और खात्मा रिपोर्ट में हस्तक्षेप करने से किया इंकार

गोविंद सिंह राजपूत की प्रतिक्रिया

सार्वजनिक जीवन में मर्यादाओं का पालन करते हुए कई बार अग्निपरीक्षा देनी होती है और झूठे आरोपों का सामना भी करना पड़ता है, किंतु षड्यंत्र और झूठ कई दिनों तक नहीं टिकता है।

सीबीआई जांच की मांग को भी शीर्ष अदालत ने अनुचित और बिना ठोस आधार के मानते हुए खारिज कर दिया

भोपाल। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष न्यायालय ने मानसिंह प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग और एसआईटी गठित कर खात्मा रिपोर्ट में हस्तक्षेप की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि जब निचली अदालत में खात्मा/खारिजी रिपोर्ट प्रस्तुत हो गई है और जांच एजेंसियों ने अपनी भूमिका निभा ली है, तब न्यायालय को मामले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है। साथ ही, सीबीआई जांच की मांग को भी अदालत ने 'अनुचित और बिना ठोस आधार' के मानते हुए खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। मंत्री राजपूत के समर्थकों में खुशी और संतोष का माहौल है, वहीं विपक्ष को मुद्दे के गुम होने से निराशा हाथ लगी है।

मंत्री राजपूत के समर्थकों में खुशी और संतोष का माहौल, विपक्ष पूरी तरह से हताश

मंत्री राजपूत बोले-सुप्रीम कोर्ट का आदेश षड़यंत्र करने वालों को करारा जवाब

विदित हो कि सागर निवासी विनय मलैया और राजकुमार सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग याचिका दाखिल कर सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व में गठित एसआईटी के गठन को चुनौती देते हुए सीबीआई जांच की मांग की थी, साथ ही एसआईटी द्वारा प्रस्तुत खात्मा रिपोर्ट पर सवाल उठाए थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादाओं का पालन करते हुए कई बार अग्निपरीक्षा देनी होती है और झूठे आरोपों का सामना भी करना पड़ता है, किंतु षड़यंत्र और झूठ कई दिनों तक नहीं टिकता है। सुप्रीम कोर्ट ने मेरे खिलाफ षड़यंत्र करने वालों को अपने आदेश के मार्फत करारा जवाब दिया है।

जगनिवास प्रभु प्रकटे
अखिल लोक बिश्राम....
जन-जन की प्राण शक्ति
धर्म और न्याय के रक्षक मर्यादा पुरूषोत्तम
भगवान श्रीराम के अवतरण दिवस
श्रीराम नवमी
के पावन पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
मैहर
मां शारदा पूजन
विकास कार्यों का
भूमिपूजन एवं शिलान्यास
अपराह्न 1:00 बजे
चित्रकूट
गौरव दिवस कार्यक्रम
गंगा आरती एवं दीपोत्सव
सायं 5:30 बजे
गरिमामयी उपस्थिति
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
6 अप्रैल 2025
सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अभ्युदय के पथ पर बढ़ता
धार्मिक पर्यटन को समृद्ध करता मध्यप्रदेश
D-11001/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया नौसेना की परियोजनाओं का उद्घाटन

आईओएस सागर को दिखाई हरी झंडी, कहा- हिंद महासागर क्षेत्र को समृद्ध बनाएंगे, यहां मुक्त परिवहन, शांति व स्थिरता सुनिश्चित करना हमारा उद्देश्य

एजेंसी ▶▶ कारवार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर नौसेना की तमाम परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने हिंद महासागर पोत आईओएस सागर को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आईएनएस सुनयना से जुड़े इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर पोत आईओएस सागर की यात्रा की शुरुआत पर ढेर सारी बधाई। मैं भारतीय नौसेना और हिंद महासागर क्षेत्र के हमारे सभी हितधारकों की सराहना करता हूं। आपके अथक प्रयासों और मेहनत से ही यह संभव हो पाया है। सभी मित्र देश जो सागर की यात्रा में विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने आए हैं, उनका भी आभार।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सागर पहल के 10 साल पूरे होने पर आईओएस सागर हिंद महासागर की यात्रा पर निकल रहा है। नौसैनिकों की यह तैनाती न सिर्फ भारत के बल्कि हिंद महासागर में हमारे सभी मित्र देशों के सहयोगात्मक प्रयास से हो रही है।

भारत तटवर्ती देशों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर की समुद्री सुरक्षा से भारत और तटवर्ती देशों का राष्ट्रीय हित भी बेहद घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र सिर्फ सुरक्षा की दृष्टि से ही अहम नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यापार, अर्थव्यवस्था, पर्यटन, संस्कृति और राष्ट्रीय हित को प्रभावित करता है। हम इस महत्व को न सिर्फ समझ रहे बल्कि इस दिशा में मिलकर काम भी कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हम अपनी मौजूदगी से हिंद महासागर क्षेत्र को और ज्यादा शांत और समृद्ध बनाएं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में यह सुनिश्चित करती है कि कोई राष्ट्र अपनी अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत के दम पर किसी दूसरे राष्ट्र को दबा न सके।

नक्सलवाद के खिलाफ मिली बड़ी कामयाबी

86 नक्सलियों ने किया सरेंडर इनमें 20 महिलाएं भी शामिल

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच, तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के कुल 86 सदस्य शनिवार को तेलंगाना के भद्रादी कोठागुडेम जिले में हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएं शामिल हैं। चार एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) सहित 86 माओवादियों ने नक्सलवाद के हिंसक रास्ते को छोड़ने का फैसला किया है, क्योंकि वह अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।

25 हजार रुपए की सहायता दी

नक्सलियों ने मल्टी जोन-1 के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) एस चंद्रशेखर रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपए दिए गए। भद्रादी कोठागुडेम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बी रोहित राजू ने बताया कि चारों एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) पर चार-चार लाख रुपए का इनाम था। बताया कि नक्सलियों ने 'ऑपरेशन चेयुथा' के तहत आत्मसमर्पण किया है। नक्सलियों ने किए जा रहे विकास और कल्याणकारी पहलों के बारे में जानने के बाद आत्मसमर्पण करने का फैसला किया।

इस वर्ष 224 नक्सली कर चुके आत्मसमर्पण

पुलिस के अनुसार, इस वर्ष अब तक विभिन्न कैडर के 224 नक्सली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित सीपीआई(एम) पुरानी विचारधारा पर काम कर रहा है। आदिवासियों के बीच विश्वास और समर्थन खोने के बाद उग्रवादियों ने मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। तेलंगाना पुलिस ने माओवादियों से अपील की है कि जो भी आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, वह अपने पारिवारिक सदस्यों के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से अपने निकटतम थाने या जिला अधिकारियों के पास आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

2026 तक नक्सलवाद इतिहास होगा

नक्सलवाद का रास्ता छोड़ने के इच्छुक लोगों से तेलंगाना पुलिस ने अपील की है कि अगर वे सरेंडर करना चाहते हैं और सामान्य जीवन जीना चाहते हैं तो वे अपने परिवार के सदस्यों के जरिए या खुद ही जाकर निकटतम थाना या जिला अधिकारियों से संपर्क करें। बता दें कि केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सली समस्या से निजात दिलाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद इतिहास बन जाएगा।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायक से पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात

भारत ने श्रीलंका को 2.4 बिलियन लंकन रु. का सहयोग पैकेज दिया

कई द्विपक्षीय परियोजनाओं का किया उद्घाटन

पीएम ने कहा कि भारत ने एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में अपने कर्तव्यों का निवहिन किया है। चाहे 2019 का आतंकी हमला हो, कोविड महामारी हो, या हाल में आया आर्थिक संकट, हर कठिन परिस्थिति में, हम श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े रहे हैं

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

पीएम नरेंद्र मोदी इस समय श्रीलंका के दौरे पर हैं। उनकी यात्रा 4 से 6 अप्रैल तक है। पीएम मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने भारत-श्रीलंका के रिश्तों को और मजबूत करने के बारे में चर्चा की। पीएम ने कहा कि भारत ने एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन किया है। चाहे 2019 का आतंकी हमला हो, कोविड महामारी हो, या हाल में आया आर्थिक संकट, हर कठिन परिस्थिति में, हम श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े रहे हैं। राष्ट्रपति दिसानायक ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना था और उनके पहले विदेश अतिथि बनने का सौभाग्य मुझे मिला है।

यह हमारे विशेष संबंधों की गहराई का प्रतीक है। पीएम ने कहा कि हमारी पड़ोसी प्रथम नीति और विजन महासागर, दोनों में श्रीलंका का विशेष स्थान है। पिछले चार महीनों में, राष्ट्रपति दिसानायक की भारत यात्रा के बाद से, हमारे सहयोग में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे सुरक्षा हित समान हैं। दोनों देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी है और एक-दूसरे पर निर्भर है। दोनों देश कोलंबो सिक्युरिटी कॉन्क्लेव और हिंद महासागर में सुरक्षा सहयोग पर भी मिलकर काम करेंगे।

भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विजन महासागर, में श्रीलंका का विशेष स्थान

श्रीलंका के यूनिक डिजिटल आइडेंटीटी प्रोजेक्ट में भी भारत सहयोग करेगा

भारत की सुरक्षा के लिए श्रीलंका का समर्थन

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने अनुरा कुमार दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत की सुरक्षा के खिलाफ या क्षेत्रीय स्थिरता के विपरीत किसी भी उद्देश्य के लिए नहीं होने देगा। राष्ट्रपति दिसानायके ने पीएम मोदी से एक महत्वपूर्ण समुद्री मुद्दे पर सहयोग मांगा। पीएम मोदी से श्रीलंका के संयुक्त राष्ट्र महासागर आयोग में दावे को लेकर तकनीकी चर्चा शीघ्र आयोजित करने का अनुरोध किया।

ऊर्जा सुरक्षा पर समझौता

पीएम मोदी ने कहा कि सामपुर सोलर पावर प्लांट से श्रीलंका की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। मल्टी-प्रोडेक्ट पाइपलाइन के निर्माण, और त्रिंकोमाली को ऊर्जा हब के रूप में विकसित किए जाने के लिए जो समझौता हुआ है, उसका लाभ श्रीलंका के सभी लोगों को मिलेगा। दोनों देशों के बीच ग्रिड इंटर कनेक्टिविटी समझौते से श्रीलंका के लिए बिजली निर्यात करने के विकल्प खुलेंगे।

श्रीलंका के सबसे बड़े वेयरहाउस का उद्घाटन किया

पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वी प्रांतों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए, लगभग 2.4 बिलियन लंकन रुपए का सहयोग पैकेज दिया जाएगा। किसानों की भलाई के लिए, श्रीलंका के सबसे बड़े वेअरहाउस का भी उद्घाटन किया।

100 मिलियन ऋण को ग्रांट में बदला

पीएम ने कहा कि भारत ने सबका साथ सबका विकास के विजन को अपनाया है। हम अपने पार्टनर देशों की प्राथमिकताओं को भी महत्व देते हैं। हमने 100 मिलियन डॉलर से अधिक राशि के ऋण को ग्रांट में बदला है।

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला,कौशल्या हितकारी हरषित महतारी, मुनि मन हारी,अदभुत रूप बिचारी

वैदिक सनातन धर्म की आत्मा है राम

अनुरोध पटेरिया

भगवान श्री राम में वैदिक सनातन धर्म की आत्मा कहे जाने वाले सभी गुण विद्यमान है। भगवान राम को पुरुषों में सबसे उत्तम पुरुष अर्थात 'मयार्दा पुरुषोत्तम' कहा जाता है। त्रेतायुग में जन्में राम अयोध्या के महाराज दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र थे। लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न राम के भाई थे। भगवान राम की मां कौशल्या थी और शेष सुमित्रा और कैकयी के पुत्र थे। भगवान राम का विवाह मिथिला नरेश राजा जनक की पुत्री सीता के साथ हुआ था।

लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला, शत्रुध्न की पत्नी श्रुतकीर्ति और भरत की पत्नी मांडवी थी। विवाह के पश्चात भगवान राम को राजा दशरथ ने रानी कैकयी के कहने पर 14 वर्ष के लिए वनवास पर भेज दिया था क्योंकि एक वचन के अनुसार कैकेयी राजा दशरथ से कुछ भी मांग सकती थी तो रानी कैकेयी ने दासी मंदोदरी के उकसाने पर भरत को अयोध्या का राजा बनाने और राम को वनवास देने की इच्छा जताई और पिता की आज्ञा का पालन करके भगवान राम सीता और लक्ष्मण के साथ वन की ओर चले ग ब्रह्मा, विष्णु तथा महेश में से भगवान विष्णु ने संसार की भलाई के लिए कई अवतार लिए हैं। भगवान विष्णु द्वारा कुल 10 अवतार लिए गए जिसमें से भगवान राम सातवें अवतार माने जाते हैं और यह अवतार भगवान विष्णु के सभी अवतारों में से सबसे ज्यादा पूज्यनीय है।

भगवान श्री राम के बारे में महर्षि वाल्मीकि और तुलसीदास द्वारा अनेक ग्रन्थ लिखे गए हैं। भगवान राम ने कई ऐसे महान कार्य किए हैं जिसने हिन्दू धर्म को एक गौरवमयी इतिहास प्रदान किया है। भगवान विष्णु ने राम बनकर असुरों का संहार करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया। राम ने मातृ-पितृ भक्ति के चलते अपने पिता राजा दशरथ के एक आदेश पर 14 वर्ष तक वनवास स्वीकारा। नैतिकता, वीरता, कर्तव्यपरायणता के जो उदाहरण भगवान राम ने प्रस्तुत किए वह बाद में मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक बन गए।कुशल और प्रजा हितकारी राजा राम ने प्रजा को हर तरह से सुखी रहने के मार्ग दिखाए। उनकी धारणा थी कि जिस राजा के शासन में प्रजा दुखी रहती है, वह राजा नरक भोगी होता है। महाकवि तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में रामराज्य की बृहद चर्चा की है।

मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम

1. वनवास के समय भगवान राम 27 साल के थे।
2. लव और कुश राम तथा सीता के दो जुड़वां बेटे थे।
3. राम-रावण युद्ध के समय इंद्र देवता ने भगवान श्री राम के लिए दिव्य रथ भेजा था।
4. भगवान श्री राम ने पृथ्वी पर 10 हजार से भी अधिक वर्षों तक राज किया।
5. भगवान राम का जन्म चैत्र नवमी में हुआ था जिसको भारतवर्ष में रामनवमी के रूप में मनाया जाता है।
6. भगवान राम ने रावण को मारने के बाद रावण के ही छोटे भाई विभीषण को लंका का राजा बना दिया था।
7. गौतम ऋषि ने अपनी पत्नी अहिल्या को पत्थर बनने का श्राप दिया था और इस श्राप से भगवान राम ने ही उन्हें मुक्ति दिलाई थी।
8. माता सीता को रावण की कैद से आजाद कराने के लिए रास्ते में पड़े समुद्र को पार करने के लिए भगवान राम ने एकादशी का व्रत किया था।
९. वनवास वापसी के बाद भगवान राम के अयोध्या वापसी की खुशी में अयोध्यावासियों ने दीप जलाए थे तब से दिवाली का त्योहार मनाया जाता है।

माना जाता है कि अयोध्या में ग्यारह हजार वर्षों तक भगवान राम का दिव्य शासन रहा और जन मानस के ह्रदय में आज भी वही राज कर रहे है।राम ने भारत भर में भ्रमण कर भारतीय आदिवासी, जनजाति, पहाड़ी और समुद्री लोगों के बीच निडरता, सत्य, प्रेम, मयार्दा और सेवा का संदेश फैलाया और यही कारण था कि राम का जब रावण से युद्ध हुआ तो सभी तरह की जातियों पशु और पक्षियों ने राम का साथ दिया।

हर किसी के मन में समाये हैं राम

वनवास के दौरान भगवान श्री राम ने देश के सभी आदिवासियों और दलितों को संगठित करने का कार्य किया और उनको जीवन जीने की शिक्षा दी। समानता का संदेश देने के साथ ही ऊंच नीच की प्रथा को समाप्त करने अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने देश के सभी संतों और उनके आश्रमों को राक्षसों, दैत्यों के आतंक से बचाया। अपने 14 वर्ष के वनवास के दौरान राम ने भारत की सभी जातियों और संप्रदायों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया।

चैत्र नवरात्रि एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के प्रकटोत्सव श्री राम नवमी पर्व की समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
दीपक ताम्रकार
उपाध्यक्ष - नगर परिषद पटेरा जिला दमोह

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
महेन्द्र तिवारी
श्रीमती उमा तिवारी
समाजसेवी
कोतमा जिला-अनूपपुर म.प्र.

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
मनोज सोनी
समाजसेवी कोतमा जिला-अनूपपुर म.प्र.

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
मनोज सराफ अंग
पूर्व नपाध्यक्ष
नगर पालिका परिषद कोतमा जिला-अनूपपुर मप्र

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
राजेश जैन
समाजसेवी कोतमा जिला-अनूपपुर म.प्र.

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
चंदन मिश्रा
कोतमा जिला-अनूपपुर म.प्र.

भजु दीन बंधु दिनेश दानव दैत्य वंश निकंदनम। रघुनंद आनंद कंद कौशल चंद दशरथ नन्दनम।
समस्त जिले वासियों को आर ए एस फर्म की ओर से रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीराम तो घर घर मे है, राम हर आंगन में है, मन से रावण जो निकाले राम उसके मन में है।
शुभेच्छु . राजीव सुहाने संचालक आर ए एस फर्म नरसिंहपुर

भजु दीन बंधु दिनेश दानव दैत्य वंश निकंदनम। रघुनंद आनंद कंद कौशल चंद दशरथ नन्दनम।
समस्त जिले वासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीराम तो घर घर मे है, राम हर आंगन में है, मन से रावण जो निकाले राम उसके मन में है।
रविकरण त्रिपाठी
प्रदेश उपाध्यक्ष, नगरीय निकाय कर्मचारी संघ, मध्यप्रदेश

चैत्र नवरात्रि एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के प्रकटोत्सव श्री राम नवमी पर्व की समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
पुष्पेन्द्र सोनी
पार्षद - वार्ड क्र 5, नप पटेरा
जिला योजना समिति सदस्य जिला दमोह

चैत्र नवरात्रि एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के प्रकटोत्सव श्री राम नवमी पर्व की समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
कमलेश शर्मा
अध्यक्ष
ब्राम्हण समाज तहसील पटेरा

समस्त जिले वासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
जी.आई., कास्ता पी.व्ही.सी. पाईप: फिटिंग, पानी टंकी, टाईल्स, RAK, Nitco, Oasis
राजश्री के WPC के दरवाजे एवं चौखट (समस्त शासकीय कार्यालय से मान्यता प्राप्त)
सेनेटरी वेयर, मार्बल, ग्रेनाइट हरा मार्बल, कोटा स्टोन, सीमेंट, काला पत्थर एवं बिल्डिंग मटेरियल के थोक व फुटकर विक्रेता।
निखिल ट्रेडर्स
अस्पताल के पीछे, आजाद वार्ड, मण्डला (म.प्र.)
मो. 9407063506, 9425484700

समस्त नगर वासियों को रामनवमी के महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन हमें मर्यादा का पालन कर सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने की सीख देता है।
प्रभु श्रीराम सभी पर अपनी कृपा व आशीर्वाद बनाए रखें जय श्री राम
शुभेच्छु . नीरज महाराज, अध्यक्ष नगर पालिका नरसिंहपुर

समस्त नगर वासियों को रामनवमी के महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन हमें मर्यादा का पालन कर सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने की सीख देता है।
प्रभु श्रीराम सभी पर अपनी कृपा व आशीर्वाद बनाए रखें जय श्री राम
शुभेच्छु . धर्मेंद्र गोयल, जिलाध्यक्ष सतना, मानवाधिकार संरक्षण

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री राम प्रकटोत्सव व रथ यात्रा (नगर भ्रमण)
रविवार 06-04-2025
'श्री हनुमानवाग धाम' मंदिर परिसर रानी दुर्गावती वार्ड, छोटी बजरिया, गढ़ा, जबलपुर
आयोजक: श्री समस्त हनुमानबाग मंदिर सेवा समिति छोटी बजरिया, गढ़ा, जबलपुर
विकास यादव

रामनवमी की अनंत शुभकामनाएं बधाई
मारुति टूर एवं ट्रेवल्स
पन्नी लाल चौक सतना
शादी पार्टी एवं पिकनिक के लिए वाहन उपलब्ध है।
आर्मेनिया और ट्रेवलर वाहन उपलब्ध है।
कांटेक्ट नंबर 7566601008, 75665 01008

शक्ति की भक्ति का पर्व चैत्र नवरात्रि एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के प्रकटोत्सव
राम नवमी पर्व की समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
जा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करहिं सब कोई॥
जय श्री राम
भरत पटेल
विधायक प्रतिनिधि पटेरा, जिला दमोह

राम नवमीं पर हार्दिक शुभकामनाएं
आप सभी के विश्वास और स्नेह के 165 वर्ष (1860 से 2025 तक)
BJS CELEBRATING 165 YEARS
SINCE 1860
भूरा ज्वेलर्स सुनिधि
हम ग्राहक नहीं रिश्ते बनाते हैं
महाराष्ट्र हाई स्कूल के बाजू में, राइट टाउन, जबलपुर (म.प्र.)
+91 91111 44001, 0761-2415001
GIA

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
वैवाहिक व समर स्पेशल
देश के श्रेष्ठ बुनकरों द्वारा आयोजित सेल
सिल्क इंडिया सिल्क
21 मार्च से 13 अप्रैल
TIME: 11AM TO 9PM
बुनकरों द्वारा आकर्षक छूट
होटल ग्रैंड समदरिया
समदरिया मॉल, सिविक सेन्टर, जबलपुर
ENTRY FREE / PARKING FREE / ALL DEBIT - CREDIT CARDS & UPI ACCEPTED

एन.टी.पी.सी. श्रमिक सभा (गाडरवारा) की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को भगवान श्रीराम प्राकट्योत्सव (राम नवमी) की हार्दिक शुभकामनाएँ
सौजन्य
एन.टी.पी.सी. श्रमिक सभा (गाडरवारा)

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
बबलू जायसवाल
जिला उपाध्यक्ष
अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद जिला अनूपपुर म.प्र.

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
अखण्ड मानस यज्ञ के प्रणेता नागा देव दिगम्बर पूज्य वीरेन्द्रपुरी महाराज के जन्मोत्सव पर
विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर
स्थान - बजरंग मठ सूपाताल, जबलपुर
13 अप्रैल 2025 दिन रविवार 9 बजे से 1 बजे तक
बाबू शंकर सोनकर संयोजक
डॉ. पवन स्थापक प्रबंधक
सौजन्य से - समस्त भक्तगण, बजरंग मठ, सूपाताल, जबलपुर

रामनवमी की अनंत शुभकामनाएं बधाई
संतोष सिंह चंदेल
सदस्य जनपद पंचायत डिंडौरी

समस्त नगरवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
अंशु मिश्रा
युवक कांग्रेस कटनी मध्यप्रदेश

रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं
गौरी एक्वा प्लास्ट टैंक व पाईप
AQUA PLAST
10 वर्ष की गारंटी के साथ
वैभव मशीनरी स्टोर
अमानगंज रोड गुनौर
9752965592

वर्ल्ड कप : सिफत ने भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाज सिफत कौर समरा ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे एफ निशानेबाजी विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन के फाइनल में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके स्वर्ण पदक जीता। यह आईएसएसएफ विश्व कप में उनका पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक है। फरीदकोट की रहने वाली 23 वर्षीय सिफत ने शुक्रवार देर रात टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में सत्र के पहले विश्व कप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

ओलंपिक चैंपियन बाहर : स्विट्जरलैंड की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चियारा लियोन और पूर्व ओलंपिक चैंपियन नीना क्रिस्टन शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं। कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रिया ले और अमेरिका की मैरी टकर जैसी ओलंपिक पदक विजेता भी क्वालीफाइंग की बाधा पार नहीं कर सकी।

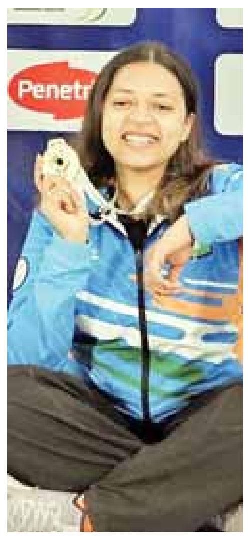

458.6 अंक से पहले स्थान पर

विश्व रिकॉर्ड धारक सिफत नीलिंग पोजीशन में 15 शॉट के बाद जर्मनी की अनीता मैंगोल्ड से 7.2 अंक पीछे थी। उन्होंने हालांकि इसके बाद प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में स्वप्निल वापसी करके पहला स्थान हासिल किया। सिफत 45 शॉट के फाइनल के बाद 458.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रही, जबकि मैंगोल्ड उनसे 3.3 अंक पीछे 455.3 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रही। कजाकिस्तान की जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता अरीना अल्तुखोवा 445.9 के स्कोर के साथ 44वें शॉट के बाद बाहर होकर तीसरे स्थान पर रहीं।

अब तक दो पदक

भारत प्रतियोगिता के पहले दिन कोई पदक नहीं जीत पाया था लेकिन अब उसके नाम पर एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक है और वह पदक तालिका में दूसरे स्थान पर है। भारत के लिए कांस्य पदक पुरुष 3पी में चैन सिंह ने जीता था। चीन एक स्वर्ण और एक रजत के साथ शीर्ष पर है। सिफत ने क्वालीफाइंग में 590 का स्कोर बनाकर पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।

खास खबर

धोनी के माता-पिता ने देखा मैच

चेन्नई। दिग्गज एमएस धोनी के माता-पिता पान सिंह और देविका देवी की मौजूदगी ने शनिवार को चेपक में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल मैच को और भी खास बना दिया। धोनी 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से चेन्नई की टीम के साथ जुड़े है और यह पहली बार है जब उनके माता-पिता आईपीएल मैच देखने पहुंचे हैं। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं, हालांकि वे अक्सर चेन्नई में आईपीएल मैच देखने जाती हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	3	3	0	6
पंजाब	2	2	0	4
बेंगलोर	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
कोलकाता	4	2	2	4
लखनऊ	4	5	2	4
मुंबई	4	1	3	2
चेन्नई	4	1	3	2
राजस्थान	3	1	2	2
हैदराबाद	4	1	3	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
201 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
10 विकेट
चेन्नई

तिलक को रिटायर्ड करना अच्छा नहीं था

लखनऊ। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करना अच्छा नहीं था। जयवर्धने ने कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। और उसे बाहर करना अच्छा नहीं था लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ा। यह उस समय एक रणनीतिक निर्णय था।'

कोच द्रविड़ सर का साथ मिलना सौभाग्य की बात

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मार्गदर्शक राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के अहम खिलाड़ी भी हैं। जायसवाल ने कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं।

आईपीएल : 15 साल बाद चेपॉक स्टेडियम में 25 रन से जीती दिल्ली

चेन्नई की घर में तीसरी हार, राहुल के अर्धशतक से दिल्ली की हैट्रिक जीत

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 25 रन से शिकस्त देकर मौजूदा सत्र में तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली ने छह विकेट पर 183 रन बनाने के बाद चेन्नई की पारी को पांच विकेट पर 158 रन पर रोक दिया। चेन्नई की चार मैचों में यह घर में लगातार तीसरी हार है। साल 2010 के बाद दिल्ली ने पहली बार चेपॉक पर जीत दर्ज की है। कैपीटल्स के लिए लोकेश राहुल ने 51 गेंद में 77 रन की शानदार पारी खेली।

चेन्नई ने 11वें ओवर में 74 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विजय शंकर (नाबाद 69) और दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 30) ने 57 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी कर हार के अंतर को कम किया। शंकर ने 54 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि धोनी ने 26 गेंद की नाबाद पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने चार ओवर में 27 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क और मुकेश कुमार को एक-एक सफलता मिली।

84 रनों की साझेदारी बेकार

'इम्पैक्ट सब' के तौर पर उतरे शिवम दुबे ने आक्रामक रवैया अपनाने का प्रयास किया, लेकिन वो 18 रनों के निजी स्कोर पर स्पिनर विपराज का शिकार बन गए। रवींद्र जडेजा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वो 2 रन बनाकर कुलदीप यादव की बॉल पर चलते बने। जडेजा के आउट होने के समय चेन्नई का स्कोर 5 विकेट पर 74 रन था. यहां से चेन्नई को जीत के लिए ताबड़तोड़ बैटिंग की जरूरत थी, लेकिन विजय शंकर और एमएस धोनी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। दोनों के बीच 84 रनों की साझेदारी जरूर हुई।

राहुल की दमदार पारी...

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 6 विकेट पर 183 रन बनाए। अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़कर पारी को संभाला। पोरेल ने 20 बॉल 33 रन बनाए। अक्षर और राहुल के बीच तीसरे विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी हुई। अक्षर 21 रन बनाकर नूर अहमद की गेंद पर बोल्ड हुए। अक्षर के आउट होने के बाद समीर रिजवी ने केएल राहुल का बखूबी साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई। समीर रिजवी 20 रन बनाकर खलील अहमद का शिकार बने। राहुल ने 51 गेंदों पर 77 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
मैकगुर्क का अश्विन बो खलील	00	05	0	0
राहुल का धोनी बो पथिराना	77	51	6	3
पोरेल का पथिराना बो जडेजा	33	20	4	1
अक्षर पटेल बो नूर	21	14	2	1
रिजवी का जडेजा बो खलील	20	15	1	1
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	24	12	2	1
आशुतोष रन आउट (जडेजा/ धोनी)	01	01	0	0
प्रिंज निगम नाबाद	01	02	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 183/6
गेंदबाजी : खलील 4-0-25-2, चौधरी 4-0-50-0, अश्विन 3-0-21-0, जडेजा 2-0-19-1, नूर 3-0-36-1, पथिराना 4-0-31-1.

चेन्नई सुपरकिंग्स	रन	गेंद	4	6
रविंद्र का एवं बो मुकेश कुमार	03	06	0	0
कॉन्वे का अक्षर बो निगम	13	14	1	0
ऋतुराज का मैकगुर्क बो स्टार्क	05	04	1	0
विजय शंकर नाबाद	69	54	5	1
दूबे का स्टब्स बो निगम	18	15	1	1
जडेजा पगबाधा कुलदीप	02	03	0	0
महेंद्र सिंह धोनी नाबाद	30	26	1	1

अतिरिक्त : 18, कुल : 20 ओवर में 158/5
गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-27-1, मुकेश 4-0-36-1, मोहित 3-0-27-0, निगम 4-0-27-2, कुलदीप 4-0-30-1, अक्षर 1-0-5-0.

गुजरात-हैदराबाद में मुकाबला आज

हैदराबाद। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में अपना विशेष स्थान बनाने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उसकी यह आक्रामकता ही हार का कारण बन रही है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी इस शैली पर आत्ममंथन करना होगा। सनराइजर्स ने अपने पहले मैच में 286 रन बनाकर धमाकेदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाजों की आक्रामकता नहीं चल पाई।

लेंथ पर नियंत्रण से खतरनाक बन जाता है दिग्वेश

लखनऊ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑल राउंडर शेन वाटसन का मानना है कि ऑफ-ब्रेक और कैरम बॉल जैसी विविधताओं के साथ लगातार सही लेंथ पर गेंदबाजी करने की स्पिनर दिग्वेश राठी की क्षमता उन्हें एक खतरनाक गेंदबाज बनाती है। राठी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए तुरुप का इक्का साबित हो रहे हैं। दिल्ली के रहने वाले इस 25 वर्षीय गेंदबाज ने अभी तक 7.62 की इकॉनमी रेट से छह विकेट लिए हैं। लखनऊ की मुंबई इंडियंस के खिलाफ 12 रन से जीत के बाद वॉटसन ने कहा, "ऐसा लग रहा था कि जैसे वह आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ही पैदा हुआ है। वह किसी तरह के दबाव में नहीं था और खुलकर प्रदर्शन कर रहा था। उसने अपना आत्मविश्वास दिखाया और शानदार प्रदर्शन किया।'

पीसीबी ने की अफगान दर्शकों की टिप्पणियों की निंदा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को माउंट मोनगानुई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान अफगानिस्तान के दर्शकों के एक समूह द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर की गई अनुचित टिप्पणी की कड़ी निंदा की। पाकिस्तानी टीम की शिकायत के बाद अफगानिस्तानी मूल के दो दर्शकों को मैदान से बाहर कर दिया गया। पाकिस्तान ने यह मैच 43 रन से गंवा दिया और वनडे श्रृंखला उसे 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। पीसीबी ने एक बयान में कहा, 'जब पाकिस्तान विरोधी नारे लगे तो क्रिकेटर खुशदिल शाह ने हस्तक्षेप किया और दर्शकों से ऐसा नहीं करने का आग्रह किया। जवाब में अफगानिस्तान के दर्शकों ने पश्तो में अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया जिससे स्थिति बिगड़ गई।' पहले भी पाकिस्तानी और अफगानिस्तान के दर्शकों के बीच अलग-अलग मैदानों पर झड़प की घटनाएं हो चुकी हैं।

जामवाल ने विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के अभिनाश जामवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली के जियानलुइगी मलंगा को हराकर ब्राजील के फोज डो इगुआकु शहर में चल रहे विश्वमुक्केबाजी कप के 65 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। इस 22 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने मलंगा की पहुंच से दूर रहने के लिए अपनी लंबाई और गति का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने 5-0 के सर्वसम्मत मतों से जीत हासिल की। पांच में से चार जजों ने जामवाल को परफेक्ट 30 अंक दिए। जामवाल इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले गुरुवार को हितेश 70 किग्रा भार वर्ग में फ्रांस के ओलंपियन माकन ट्राओरे को हराकर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे।

कुछ प्रदर्शनों के आधार पर सिराज का आकलन सही नहीं

हैदराबाद। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी का मानना है कि फ्रेंचाइजी में शामिल होने के बाद से मोहम्मद सिराज 'असाधारण' रहे हैं और इस तेज गेंदबाज को कुछ प्रदर्शनों के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए। सिराज ने अपने पिछले आईपीएल मैच में अपनी पूर्व टीम रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के खिलाफ 19 रन देकर तीन विकेट झटके और पांच विकेट के साथ वह आईपीएल 2025 में अब तक गुजरात टाइटन्स के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। सोलंकी ने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही भूमिका निभा रहे हैं, जैसी जरूरत है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। ऐसी बातें कहना अनुचित होगा कि चीजें उनके लिए ठीक नहीं चल रही हैं। जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कभी-कभी हम बहुत से युवा क्रिकेटरों से काफी उम्मीद करते हैं।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- राजपूत 33 वर्षीय डॉ.एमबीबीएस कन्या के लिये समकक्ष (डा. लेक्चरार) वर चाहिये छत्तीसगढ़ निवासी को प्राथमिकता दिया जाएगा मो. 9425283952 (7082)

वधु चाहिए

वधु चाहिए- अग्रवाल युवक उम्र 25 वर्ष रंग गोरा इकलौता स्वंय का घर ऊंचाई 5फीट 5" शुद्ध शाकाहारी हेतु शाकाहारी वधु चाहिए। व्यवसाय स्वयं का व्यवसाय है। जाति बंधन नही शादी मन्दिर में करना है दहेज नही चाहिए मो. 7049784336 (7067)

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:-9202613238 (रायपुर /14/अप्रैल 25)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

न्यूजीलैंड ने किया पाकिस्तान का सूपड़ा साफ

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

सलामी बल्लेबाज राइस मारियू और कप्तान माइकल ब्रेसवेल के अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 43 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

आउटफील्ड गीली होने के कारण यह मैच 42 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 264 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 40 ओवर में 221 रन बनाकर आउट हो गई।

सियर्स ने 34 रन देकर पांच विकेट हासिल करके पाकिस्तान को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। न्यूजीलैंड की पारी का आकर्षण अपना दूसरा वनडे खेल रहे मारियू (58) और ब्रेसवेल (59) के अर्धशतक रहे। इन दोनों के अलावा डेरिल मिचेल ने 43 रन का योगदान दिया।

इस दौरान उन्होंने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2000 रन भी पूरे किए। पाकिस्तान की तरफ से आकिफ जावेद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 62 रन देकर चार विकेट लिए।

शब्द पहेली - 5828

बाएँ से दाए
1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरैया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 5827 का हल

सूडोकू नवताल- 5838

★★★☆☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SEMACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल- 5837 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यालयों में लहराएगा पार्टी का ध्वज, बांटी जाएगी मिठाई

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने होने वाले कार्यक्रमों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस प्रदेश भर में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इसको लेकर भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी कार्यालयों तथा कार्यकर्ताओं के निवास पर पार्टी ध्वज फहराया जाएगा।

कार्यालयों की सजावट कर मिठाई बांटी जाएगी और जिला स्तर पर प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी ने शुक्रवार को बताया कि 6 एवं 7 अप्रैल को बूथ स्तर पर और 8-9 अप्रैल को मंडल व विधानसभा स्तर पर नए प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित होंगे। सम्मेलनों में भारतीय जनता पार्टी की चुनावी सफलता, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर यात्रा विषयों पर संबोधन होगा।

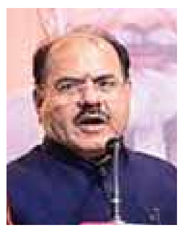

बूथ एवं मंडल स्तर पर नए प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित होंगे

पार्टी पदाधिकारी करेंगे बस्तियों का दौरा

सबनानी ने बताया कि 7 अप्रैल से 13 अप्रैल के बीच पार्टी पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि गांव-बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत पूरे दिन गांव, मोहल्ला या सेवा बस्ती का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल एवं गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे। विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत कर आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, पशु चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पंचायत कार्यालय का दौरा कर जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करेंगे। कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के झंडे लेकर गलियों में यात्रा निकालेंगे। संध्या के समय स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजन कर विभिन्न समुदाय के नेताओं एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों के निवास पहुंचकर भेंट करेंगे। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं, मीसा बंदियों तथा कारसेवकों का सम्मान कर बूथ समितियों की बैठक में शामिल होंगे।

प्रदेश स्तर पर गठित हुई टोली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर प्रदेश स्तरीय टोली का गठन किया है। टोली के संयोजक प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी तथा सह संयोजक पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, सीमा सिंह एवं प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल को बनाया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री मांडविया से किया स्टेडियम बनाने का अनुरोध

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय श्रम, रोजगार, युवा और खेल मंत्री मनसुख मांडविया से भेंट की। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री से पन्ना जिले में खेलो इंडिया के तहत स्टेडियम निर्माण तथा खजुराहो नगर में भारतीय खेल प्राधिकरण के उप-केन्द्र की स्थापना का आग्रह किया।

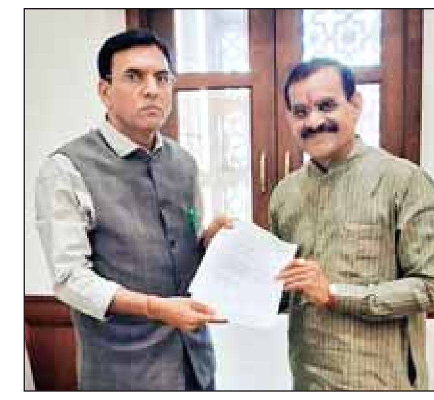

धार्मिक नगरों में पवित्र भाव और परिवारों में स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए लागू की शराबबंदी

पीताम्बरा माई सहित देवी मां की कृपा वाले स्थानों को देवी लोक के रूप में किया जाएगा विकसित

सीएम डॉ. यादव का दतिया में शराबबंदी लागू करने पर हुआ भव्य नागरिक अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार वाली भारतीय संस्कृति संपूर्ण विश्व को परिवार मानती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस सिद्धांत पर चल रही राज्य सरकार सभी के हित और कल्याण के लिए समर्पित है। परिवारों का वातावरण खराब न हो, मेहनत से कमाए गए पैसे का उपयोग परिवार के हित में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए ही शराबबंदी लागू की गई है। धार्मिक नगरों में पवित्र भाव की अनुभूति होती है, प्रदेश के 19 देव-स्थानों की गरिमा को बनाए रखने के लिए ही इन स्थानों पर शराबबंदी लागू की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मां पीताम्बरा की नगरी दतिया में शराबबंदी लागू करने के लिए आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। जन-प्रतिनिधियों और नागरिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दतिया में शराबबंदी के लिए नागरिक अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने किसानों से जमीन नहीं बेचने का आह्वान करते हुए कहा कि इन नदी जोड़ो परियोजनाओं से दतिया भी लाभान्वित होगा और किसान परिवारों का खुशहाल जीवन सुनिश्चित है। डबल इंजन की सरकार में जनता का हित सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को दतिया में मां पीताम्बरा माई के दरबार में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उनके साथ पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा सहित जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने दतिया में मां पीताम्बरा माई के दरबार में दर्शन कर पूजा-अर्चना की

राज्य सरकार सबके कल्याण के लिए ही समर्पित भाव से काम कर रही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया सहित प्रदेश में जहां-जहां देवी मां की कृपा है, वहां देवी लोक विकसित किए जाएंगे। चित्रकूट सहित भगवान श्रीराम से जुड़े प्रदेश के सभी स्थानों का श्रीराम वनपथ गमन मार्ग के तहत उन्नयन किया जा रहा है। इसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां भी लीलाएं हुईं, उन स्थानों को भी तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन संस्कृति के मूल भाव सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयः के अनुरूप राज्य सरकार सबके कल्याण के लिए ही समर्पित भाव से काम कर रही है।

किसानों को उनकी मेहनत और उपज का सही दाम मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। राज्य सरकार के लिए कृषकों का हित सर्वोपरि है, किसानों को उनकी मेहनत और उपज का सही दाम मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए ही 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर गेहूं खरीदा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने प्रदेश के लिए 'केन-बेतवा' लिंक परियोजना और 'चंबल-काली सिंध-पार्वती' नदी जोड़ों परियोजना जैसी सौगात प्रदेश को दी है। साथ ही ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

पूर्व गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा, शराबबंदी निर्णय की जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है

पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दतिया सहित प्रदेश के अनेक धार्मिक शहरों में शराबबंदी का जो निर्णय लिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार उपलब्ध हों, इसके लिए मुख्यमंत्री की ओर से देश, विदेश में जाकर उद्योगपतियों से चर्चा कर प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के सार्थक प्रयास किए हैं। इसके कारण उद्योगपतियों ने प्रदेश में उद्योग-धंधे स्थापित कर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है।

अनावश्यक खर्चों से परहेज करने के लिए जनसामान्य को प्रेरित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनावश्यक खर्चों से परहेज करने के लिए जनसामान्य को प्रेरित करते हुए कहा कि विवाह और मृत्यु भोज जैसे आयोजनों में अनावश्यक खर्च करना व्यर्थ है। अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और उनके भविष्य निर्माण पर ध्यान देना ही परिवारों की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। हर गरीब को रहने के लिए पक्का मकान, हर जरूरतमंद के लिए भोजन की व्यवस्था जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

ईसागढ़ पहुंचकर डॉ. यादव ने लिया जायजा

पीएम मोदी का आनंदपुर धाम प्रवास 11 को, मुख्यमंत्री ने देखी तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अशोकनगर के ईसागढ़ स्थित आनंदपुर धाम में 11 अप्रैल को प्रस्तावित भ्रमण की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने हेलीपैड स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, रूट चार्ट, मंदिरों के दर्शन स्थल, पूजा स्थान तथा सत्संग स्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली। साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आनंदपुर धाम स्थित परमहंस अद्वैत मत, आनंद शांति कुंज, आनंद शांति भवन, आनंद सरोवर एवं आनंद शांति धाम पहुंचकर दर्शन किए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आनंदपुर धाम स्थित मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने आनंद सरोवर के पवित्र जल में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने आनंदपुर धाम की महिमा को गरिमामय बताते हुए कहा कि यहां पहुंचने पर सुखद अनुभूति होती है।

बैसाखी पर लगेगा वार्षिक मेला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैसाखी पर लगने वाले वार्षिक मेले में आने वाले अनुयायियों एवं दर्शनार्थियों के लिए सभी व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आनंदपुर सत्संग आश्रम परमहंस अद्वैत मत का भक्ति परमार्थ का प्रमुख केन्द्र तथा एक महान तीर्थ स्थल एवं अथाह ज्ञान व आत्मिक विद्या का अतुलनीय भंडार है। यहां पर आनंद सरोवर की तरल छटा निराली है तथा परिधि में पूजा स्थलों का अनोखा संगम है। इस पवित्र स्थल पर आकर मन को शांति तथा आत्म ज्ञान को बल मिलता है। इस मौके पर मंत्री राकेश शुक्ला, स्थानीय विधायक, पूर्व विधायक सहित जनप्रतिनिधि, ट्रस्ट के महात्मा, अनुयायी एवं पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

बहू को पिटता देख बीच-बचाव करने आया था

नशेड़ी बेटे ने पिता पर किया कुल्हाड़ी से हमला, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कबीरधाम

जिले में एक बेटे ने अपने पिता की गर्दन कुल्हाड़ी से काट डाली। शराब के नशे में युवक अपनी पत्नी को पीट रहा था। इस दौरान बीच बचाव करने गए पिता पर उसने कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मामला चिल्फी थाना क्षेत्र का है। कलयुगी बेटे ने कुल्हाड़ी (टंगिया) से अपने पिता की गर्दन काट दी। मौके पर ही बुजुर्ग की मौत हो गए। आरोपी शराब के नशे में अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। बीच बचाव करने आए पिता की हत्या कर दी। इस मामले में पत्नी के आवेदन पर चिल्फी थाना पुलिस ने आरोपी संतोष यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आज शनिवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। बताया जा रहा है कि पत्नी सुनीता यादव अपने घर पर थी। पति संतोष यादव शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। इसी दौरान पिता पंचम लाल यादव ने बीच बचाव किया। इससे नाराज बेटे संतोष यादव ने धारदार कुल्हाड़ी से पिता पंचम लाल यादव के ऊपर हमला कर हत्या कर दी।

ग्रामीणों से भरी तेज रफ्तार पिकअप पलटी, 12 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

जिले के पालनार में ग्रामीणों से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप पलट गई। हादसे में 12 से अधिक ग्रामीण घायल हो गए। घायल ग्रामीणों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों को मेकाज में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि सभी ग्रामीण में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाहर अपने दो दिवसीय दौरे के पर हैं। गृहमंत्री अमित शाह दंतेवाड़ा जिले में आयोजित बस्तर पोंदुम कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए हुए हैं। दंतेवाड़ा जिले के हाईस्कूल मैदान में आमसभा को संबोधित करेंगे। इसी कार्यक्रम के तहत अलग-अलग जगहों से ग्रामीणों को पिकअप व अन्य माध्यमो से दंतेवाड़ा जिले के हाईस्कूल मैदान में पहुंच रहे हैं।

पसान थाना क्षेत्र की घटना, भीड़ ने शिक्षक को पीटा, गिरफ्तार

शिक्षक ने नाबालिग छात्रा से की दुष्कर्म की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

पसान थाना क्षेत्र में एक शिक्षक ने ट्यूशन पढ़ने आई छात्रा के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। छात्रा चीख-पुकार मचाते हुए जान बचाकर भाग निकली। छात्रा ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद आक्रोशित परिजन व अन्य लोगों ने शिक्षक की पिटाई कर दी।

पिटाई करने के बाद ग्रामीणों ने शिक्षक को पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीण कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं, ताकि इस तरह की हरकत दोबारा कोई शिक्षक न कर सके। जानकारी के अनुसार, माध्यमिक शाला में शिक्षक संजय कुमार कठौतिया हेड मास्टर के पद पर पदस्थ है। संजय कुमार किराये के मकान पर गांव में रहता है। शुक्रवार को पढ़ाने के बाद स्कूल से वह अपने

घर चला गया। उसके कमरे पर आठवीं कक्षा की दो छात्राएं ट्यूशन पर जाती थी। शुक्रवार को दोनों छात्राएं ट्यूशन पढ़ने गईं। इस दौरान उसने एक छात्रा को यह कहकर वापस भेज दिया कि उसके पिताजी बुला रहे हैं। वहीं, दूसरी छात्रा के साथ वह छेड़खानी और दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। छात्रा शिक्षक की करतूत देखकर एकदम से डर गई और विरोध करते हुए चिल्लाने लगी। इसके बाद वह दरवाजा खोलकर रोती हुई गांव में चल रही पूजा के पांडाल में पहुंची। उसने वहां मौजूद परिजन और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सभी एक होकर शिक्षक के पास पहुंचे और जमकर उसकी पिटाई की। साथ ही इसकी सूचना 112 को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

बताया जा रहा है कि शिक्षक शादीशुदा है और उसकी पत्नी भी शिक्षाकर्मी है, जो बिलासपुर जिले में पदस्थ है।

दो दिवसीय दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

शाह ने नक्सलियों से किया आह्वान 'मुख्य धारा में शामिल हो जाइए'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दंतेवाड़ा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर हैं। शनिवार की दोपहर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहले विमान से बस्तर पहुंचे। जगदलपुर आगमन के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व सांसद दिनेश कश्यप और क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा एवं जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। यहां से दंतेवाड़ा रवाना हुए।

सीधे आदिवासियों से तेंदूपत्ता खरीदेगी सरकार

केंद्रीय गृहमंत्री ने छत्तीसगढ़ के सीएम साय को मंच के सामने आने का आह्वान करते हुए कहा कि आदिवासियों से 5500 रुपये में तेंदूपत्ता सीधा सरकार खरीदेगी। कोई दलाल के पास आपको नहीं जाना पड़ेगा। यह बहुत बड़ा फैसला है। लाल आतंक फैलाने के लिए जो आपका पैसा ले जाते थे, विष्णुदेव साय सरकार आपके बैंक अकाउंट में 5500 सीधा ट्रांसफर करेगी।

सबसे पहले किए मां दंतेश्वरी के दर्शन

दंतेवाड़ा पहुंचकर सबसे पहले मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान वह धोती-कुर्ता पहने नजर आए। मां का आशीर्वाद लेने के बाद अमित शाह बस्तर पंडुम के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। यहां उन्हें माला और गौर मुकुट पहनाकर उनका स्वागत किया गया। यहां पर वह बस्तर के पारंपरिक ड्रिंक्स और फूड्स का स्वाद भी चखेंगे। शाम को रायपुर में उच्च स्तरीय बैठक लेंगे। इसके बाद वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री राम विचार नेताम, केदार कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, सचिव राहुल भगत, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय - उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग, जिला - नरसिंहपुर म.प्र.
Email-ddvs.ahnar@mp.gov.in

NIT No. :- JDVS JBP. 25/2025 — **तृतीय निविदा विज्ञप्ति** — दिनांक 28.03.2025

संचालनालय एवं पशुपालन डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश भोपाल की ओर से शासकीय बकरी प्रजनन पक्षेत्र उमरिया (चिनकी) जिला - नरसिंहपुर म.प्र. पर चना- भूसा प्रदाय हेतु e-procurement Portal http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविद तृतीय आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	विवरण	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की दिनांक	निविदा राशि रू.	धरोहर (ई.एम.डी.) राशि रू.	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम दिनांक
NIT No. :- JDVS JBP. 25/2025	शासकीय बकरी प्रजनन प्रक्षेत्र उमरिया (चिनकी) जिला नरसिंहपुर म.प्र. में अच्छी किस्म का चना- भूसा प्रदाय एवं कम्प्युट्रीकृत इलेक्ट्रानिक तौल काटा पर तुलाई परिवहन व गोदाम में भण्डारण सहित हेतु निविदा आमंत्रण	07.04.2025	2000.00 (प्रोसेसिंग फीस)	25000.00 (पच्चीस हजार)	22.04.2025 शाम 05:00 बजे तक

1. निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते है। 2. निविदा संबंधी समस्त जानकारी बेवसाईट पर अथवा कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है। 3. निविदा का अनुमानित मूल्य रू 6 लाख मात्र है।

उपसंचालक
पशुपालन एवं डेयरी विभाग नरसिंहपुर म.प्र.
G-11190/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)
दूरभाष - 07642-252443 ई-मेल-eephedmal@mp.nic.in फैक्स -07642-253622

निविदा क्र. 04/2025-26/नि.शाखा/लो.स्वा.या./2025 — मण्डला, दिनांक 02.04.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निविदा आमंत्रित किये जाते है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 14/04/2025 सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने का दिनाक 16/04/2025 दोपहर 12.00 बजे के पश्चात है। निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

Drilling of 150 / 125/115mm Dia 90mtr. Deep Telescopic Tube Well

S. N.	NIT No.	Tender ID No.	Block	No. of Tube well	Probable Amount	EMD	Tender Doc. Fee	Time
1	2	3	4	5	6	7	7	8
1	04/ 25-26	2025_PHED_413904_1	Ghughri	80	64.80	64800	1000	04 Month E/R

नोट :- निविदा पत्र उपरोक्त वेबसाईट पर कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मण्डला
G-11192/25 "स्वच्छता ही सेवा"

आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर आज जबलपुर पहुंचेगी पुलिस

केरल में पकड़ा गया फरार जॉय स्कूल संचालक मेबन

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर के जाय स्कूल संचालक अखिलेश मेबन को हिन्दू धर्म के आराध्य प्रभु श्रीराम पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में केरल पुलिस ने शनिवार को कोच्चि में गिरफ्तार कर लिया है। मेबन को अपनी हिरासत में लेने के लिए जबलपुर पुलिस केरल पहुंच गई और उसे ट्रांजिट रिमांड पर भी ले लिया है। वही आज दोपहर तक मेबन को लेकर पुलिस जबलपुर पहुंच जाएगी।

गौरतलब है कि जबलपुर स्थित जॉय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संचालक अखिलेश मेबन ने अपने व्हाटसएप स्टेटस में प्रभु श्रीराम और उनके भक्तों को लेकर एक आपत्तिजनक स्टेटस वीडिया लोड किया था। इसके बाद से आक्रोश भड़क गया। हिन्दू संगठनों की शिकायत पर विजयनगर पुलिस ने अखिलेश मेबन के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला दर्ज किया था इसके बाद से मेबन फरार हो गया था। उसकी लोकेशन केरल में ट्रेस होने के बाद पुलिस ने कोच्चि पुलिस से संपर्क कर मेबन के बारे में जानकारी दी, जहां केरल पुलिस उसे धरदबोचा। बताया जा रहा कि मेबन विदेश भागने की तैयारी में था। शुरुआती जांच के बाद यह सामने आया कि मेबन बांधवगढ़ के एक रिसॉर्ट में छिपा हुआ था, लेकिन जब पुलिस टीम वहां पहुंची, तो वह फरार हो चुका था। इसके बाद पुलिस ने उसके करीबियों से पूछताछ की और यह जानकारी मिली कि वह केरल के कोच्चि शहर में मौजूद है।

मध्यप्रदेश पुलिस ने केरल पुलिस की मदद से एक टीम को कोच्चि भेजा, जहां शनिवार सुबह उसे गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, मेबन जब एयरपोर्ट जा रहा था, उसी दौरान उसे पकड़ लिया गया। फिलहाल, मेबन को केरल पुलिस की कस्टडी में रखा गया है और अब जबलपुर पुलिस की टीम कोच्चि में पहुंच चुकी है। पुलिस जल्द ही उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर जबलपुर लाएगी।

विदेश भागने की योजना थी

प्रारंभिक जांच में यह भी खुलासा हुआ कि मेबन जबलपुर से केरल भागने के बाद विदेश भागने की योजना बना रहा था, लेकिन उससे पहले ही केरल पुलिस ने उसे पकड़ लिया। मेबन एक होटल में छिपा हुआ था, जब उसे गिरफ्तार किया गया। जबलपुर पुलिस ने अखिलेश मेबन के स्कूल और घर पर भी छापे मारे थे, जहां से पुलिस ने दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया और उनसे पूछताछ की। इस पूछताछ के दौरान मेबन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारी पुलिस के हाथ लगी, जो उसकी गिरफ्तारी में सहायक साबित हुई।

एसपी ने की गिरफ्तारी की पुष्टि

एसपी संपत उपाध्याय ने अखिलेश मेबर की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि केरल पुलिस की मदद से उसे कोच्चि में गिरफ्तार कर लिया गया है। जबलपुर की पुलिस टीम भी कोच्चि पहुंच गई और आरोपी अखिलेश मेबन को ट्रांजिड रिमांड पर भी ले लिया है। आज दोपहर तक जबलपुर पुलिस आरोपी को लेकर शहर पहुंच जायेगी।

10वीं और 12वीं की मप्र बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट जल्द आएगा

बोर्ड की आधी कॉपियों की जांच का काम पूरा

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र बोर्ड के 10वीं और 12वीं के रिजल्ट जल्द आने वाले हैं। परीक्षाओं के बाद से ही स्टूडेंट्स में इसके रिजल्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। वहीं अब एमपी बोर्ड रिजल्ट के लिए स्टूडेंट्स को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने रिजल्ट जारी करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। बोर्ड परीक्षा की कॉपियों की जांच का पहला चरण अंतिम पूरा होने जा रहा है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षा के साथ ही कॉपियों की चेकिंग का काम शुरू कर दिया था, जिससे रिजल्ट को समय पर जारी किया जा सके। 10वीं और 12वीं बोर्ड की कॉपियों की चेकिंग 13 मार्च से शुरू हो गई थी। इसके बाद होली और रंगपंचमी का अवकाश भी रहा, लेकिन इसके बाद भी कॉपियों की चेकिंग तेजी से चल रही है। प्रदेश भर की 10वीं-12वीं क्लॉस की कॉपियां की चेकिंग का काम करीबन 50 फीसदी पूरा हो चुका है। इसके बाद दूसरे चरण का काम 6 अप्रेल से शुरू होने जा रहा है।

आज से कॉपी जांच का दूसरा चरण

बताया जा रहा है कि 6 अप्रैल से कॉपी जांच का दूसरा चरण शुरू होने जा रहा है। इससे उम्मीद लगाई जा रही है कि एमपी बोर्ड का रिजल्ट इस बार 22 अप्रैल या इसके आसपास जारी हो जाएगा। पिछले तीन साल के रिजल्ट पर गौर करें तो एमपी बोर्ड का रिजल्ट 2022 में 29 अप्रैल, 2023 में 25 मई और 2024 में 24 अप्रैल को आया था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस वर्ष भी अप्रैल के अंतिम सप्ताह में एमपी बोर्ड का रिजल्ट आ सकता है। हालांकि, एमपी बोर्ड ने रिजल्ट की तारीखों का ऐलान नहीं किया है।

रिजल्ट 22 अप्रैल के आसपास आने की संभावना

एमपी बोर्ड का रिजल्ट इस माह 22 अप्रैल के आसपास आ सकता है। एमपी बोर्ड के अधिकारी फिलहाल तारीख बताने से इंकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि अभी अंतिम तारीखें तय नहीं हुई हैं। हालांकि, एमपी बोर्ड के रिजल्ट का समय एमपी बोर्ड ने काफी हदतक सुधारा है। 2024 में बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट 24 अप्रैल को जारी हुआ था। एमपी बोर्ड के सचिव केडी त्रिपाठी के मुताबिक मूल्यांकन का काम तेज गति से चल रहा है। पेपर खत्म होने के बाद इसमें और तेजी आई है। सभी जिलों से ऑनलाइन नंबर्स बुलाए जा रहे हैं, जिससे रिजल्ट तैयार करने में ज्यादा वक्त न लगे।

2 बाईकों में भिडंत, 2 युवक घायल

जबलपुर। कटंगी थाना अतंर्गत हिरन नदी पुल के पहले दो बाईकों की आपस में भिडंत हो गई। टक्कर लगने से एक बाईक में सवार दो युवक नीचे गिरकर घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कटंगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सालीवाड़ा बरेला निवासी रिंकू प्रधान मोहल्ले के अमित कुमार ठाकुर के साथ बाईक में तथा दूसरी बाईक में रिंकू का बड़ा भाई दीपक प्रधान के साथ कटंगी घूमने के लिए गए थे। कटंगी से घूमकर जबलपुर जाते समय दोपहर लगभग 3.30 बजे हिरन नदी पुल के पहले पहुंचे, तभी पीछे से आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड एस 4939 के चालक ने तेज गति से चलाते हुये रिंकू प्रधान की मोटर सायकल में टक्कर मार दी, जिससे रिंकू एवं अमित मोटर सायकल सहित गिर गये और दोनों के हाथ पैर एवं शरीर में चोटें आ गयीं हैं। दीपक प्रधान ने दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने आरोपी बाईक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

हाईकोर्ट ने कोठारी व एप्पल अस्पताल को जारी किए नोटिस

नियम विरूद्ध अस्पतालों की अद्यतन एक्शन टेकन रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने अवैध पंजीयन के आरोप के मामलेमें जबलपुर के कोठारी व एप्पल अस्पताल को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने शहर में नियम विरूद्ध अस्पतालों की अद्यतन एक्शन टेकन रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी विनय जी डेविड व प्रशांत वैश्य की ओर से अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि कोठारी व एप्पल अस्पताल को पंजीयन प्राप्ति हेतु आवश्यक दस्तावेज न होने पर भी अवैध रूप से पंजीयन प्रदान किया गया। लिहाजा, पंजीयन निरस्त करने के निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही दोषियों पर कार्रवाई भी सुनिश्चित करने कहा जाए। उप महाधिवक्ता बीडी सिंह ने कोर्ट में दस्तावेज पेश कर बताया गया कि शिकायत मिलने वाले अस्पतालों पर सख्त कार्यवाही जारी है। विगत दिनों कोठारी अस्पताल तथा एप्पल अस्पताल के पंजीयन

निरस्त किए गए हैं। शासन द्वारा ऐसे अस्पतालों के विरूद्ध कार्यवाही जारी रहेगी। हाई कोर्ट ने मामले में शहर में संचालित सभी नियम विरूद्ध अस्पतालों की अद्यतन एक्शन टेकन रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से उप महाधिवक्ता बीडी सिंह ने राज्य शासन व सीएमएचओ, जबलपुर व भोपाल की ओर से नोटिस प्राप्त किए। जबकि शेष अनावेदकों को स्पीड पोस्ट, आर्डनरी पोस्ट और हमदस्त आदि सभी तरीकों से नोटिस भेजने के निर्देश जारी कर दिए गए। कोर्ट ने मप्र शासन, नगर निगम, सीएमएचओ, कोठारी अस्पताल, एप्पल अस्पताल और हैदराबाद ओमेगा अस्पताल को चार सप्ताह के भीतर जबाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने जनहित याचिका को एक अन्य जनहित याचिका के साथ सूचीबद्ध व लिंक करने की मांग की। जिस पर न्यायालय के द्वारा दोनों याचिकाओं की एक साथ सुनवाई की व्यवस्था भी दे दी।

हाई कोर्ट को अवगत कराया गया कि जबलपुर के कोठारी अस्पताल को 100 विस्तरीय अस्पताल संचालन हेतु सीएमएचओ, जबलपुर द्वारा अनुमति जारी की गई थी जबकि कोठारी अस्पताल के पास नगर निगम से फायर एनओसी और कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है। कोठारी अस्पताल के संबंध में नगर निगम ने सीएमएचओ को अवगत कराया था कि उक्त प्लाट को मूल रूप से आवासीय उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया था, जिसके विपरीत, भवन का उपयोग अस्पताल के रूप में किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा नक्शा स्वाकृति के विपरीत सभी खुले रखने योग्य स्थानों में अवैध रूप से निर्माण किया गया और अग्नि सुरक्षा के उपाय नहीं किए गए हैं। अग्निशमन अधिकारी के द्वारा सीएमएचओ जबलपुर को उक्त अस्पताल में वैकल्पिक अग्नि निकास की अनुपलब्धता और दमकल की गाड़ियों की आवाजाही के लिए भवन के चारों ओर अनिवार्य 3.6 मीटर खाली स्थान की कमी के बारे में भी सूचित किया गया था। टीएनसीपी द्वारा सीएमएचओ जबलपुर को बताया गया था कि कोठारी अस्पताल को विकास अनुमति नहीं जारी की गई। इसके बाद भी अनुपयुक्त और अवैध रूप से निर्मित आवासीय भवन में कोठारी अस्पताल संचालन करने की अनुमति देने और अग्नि सुरक्षा हेतु वैकल्पिक अग्नि निकास की अनुपस्थिति और दमकल की आवाजाही के लिए 3.6 मीटर की खाली जगह न होने से रोगी सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इसी तरह एप्पल अस्पताल संस्थागत की जगह आवासीय स्वीकृति वाले भवन में चल रहा है जिसके द्वारा फर्जी कूटरचित फायर एनओसी प्रस्तुत कर सीएमएचओ, जबलपुर से अस्पताल संचालन हेतु पंजीयन प्राप्त किया है।

आज से लागू होने वाली विद्युत दरों की वसूली पर रोक की मांग

कास्ट ऑफ सप्लाई आदेश का 15 वर्ष से पालन नहीं

जबलपुर। प्रदेश में आज से 4 प्रतिशत बढ़ोतरी कर लागू होने वाले रेट से बिजली बिलों की वसूली पर रोक लगाये। क्योंकि पिछले 15 वर्षों से अपीलेट ट्रिब्यूनल दिल्ली के आदेश का पालन नहीं हुआ, जिसमें वोल्टेज आधारित सही लागत (कॉस्ट ऑफ सप्लाई) निकालने को कहा गया है। यह प्रार्थना कर डॉ. पीजी नाजपांडे ने आज विद्युत नियामक आयोग को ईमेल भेज कर टैरिफ आदेश पर पुनर्विचार करने का निवेदन किया है। डॉ पीजी नाजपांडे ने स्पष्ट किया कि मजबूरी में अपीलेट ट्रिब्यूनल में याचिका दायर करेंगे।

नियामक आयोग ने अपने 29 मार्च के आदेश में स्वयं स्वीकार है कि बिजली कंपनियों ने बिजली हानि की ठोस अध्ययन न करते हुए वोल्टेज आधारित लागत निकाली नहीं। जबकि विद्युत अधिनियम 2003 के धारा 61 में स्पष्ट निर्देश है कि बिजली के लागत पर टैरिफ निर्धारण होना चाहिए। दिल्ली की अपीलेट ट्रिब्यूनल ने पिछले 15 वर्ष पूर्व में अपील नंबर 103/2010 में आदेश जारी किया है तथा उसके पालन हेतु कंपनियों तथा आयोग को भी निर्देश जारी किए है। लेकिन स्वयं आयोग ने कम्प्यूटर आधारित लागत की अनुमानित गणना की है। यह लागत वास्तविक नहीं होने कारण उसके आधार पर रेट निर्धारण करना गलत है। मंच ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा हेतु टैरिफ आदेश पर पुनर्विचार हो तथा बढ़े हुए रेट से वसूली पर रोक लगाने की मांग की।

हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर, जल्द होगी सुनवाई

सिवनी जिले में फ्लाई ऐश से होने वाले प्रदूषण को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका के जरिए सिवनी जिले के लखनादौन और घंसौर तहसील में फ्लाई ऐश के अवैध परिवहन और उससे होने वाले पर्यावरणीय और स्वास्थ्य खतरों को चुनौती दी गई है। जल्द ही इस पर सुनवाई होगी।

जनहित याचिकाकर्ता नीलेश स्थापक की ओर से अधिवक्ता हितेन्द्र गोल्हानी पैरवी करेंगे। उन्होंने अवगत कराया कि झाबुआ पावर लिमिटेड पर फ्लाई ऐश परिवहन में नियमों की अनदेखी करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले में आरोप है कि खुले ट्रकों में फ्लाई ऐश परिवहन से वातावरण और कृषि भूमि प्रदूषित हो रही है। इतना ही नहीं ड्रिंकिंग वाटर सोर्सेस में प्रदूषण, जिससे स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो सकता है। अधिकारियों को लगातार शिकायतों के बावजूद कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ओवरलोडेड ट्रकों के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। आवेदक का कहना है कि 2013 और 2019 की फ्लाई ऐश परिवहन गाइडलाइंस का पालन नहीं किया जा रहा। मामले में राहत चाही गई है कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नियमानुसार फ्लाई ऐश परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं। साथ ही, झाबुआ पावर लिमिटेड पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य की रक्षा हो सके।

10 हजार रुपए नहीं देने पर कार में की तोड़फोड़

जबलपुर। कोतवाली थाना अतंर्गत पांडे चौक गांधीगंज में दुकान में बैठे एक दुकानदार से एक बदमाश ने 10 हजार रुपए की मांग की, रुपए देने से मना करने पर गालीगलौज कर दुकान के सामने खड़ी कार पर पत्थर से तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडे चौक गांधीगंज निवासी 52 वर्षीय खाद्य तेल दुकान संचालक संदीप जैन अपने मकान के नीचे हिस्से में बनी दुकान में बैठा था। गत रात लगभग 11.30 बजे उसकी दुकान पर संजय गांधी मार्केट निवासी रोहित लारिया उर्फ कद्दू आया और वह 10 हजार रूपये की मांग करने लगा, उसने रुपए देने से मना किया तो गाली गलोज करते हुये उसकी दुकान के सामने रखी उसकी कार क्रमांक एमपी 20 बीए 4777 के सामने के कांच पर पत्थर मारकर तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 324(4), 119(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

ई-रिक्शा में बैठी वृद्धा के बैग में रखा मंगलसूत्र चोरी

जबलपुर। लार्डगंज थाना अतंर्गत गंजीपुरा से ई रिक्शा में बैठी एक वृद्ध महिला के बैग में रखा सोने का मंगलसूत्र चोरी हो गया। वृद्ध महिला ने आशंका जताई है कि ई रिक्शे में बैठी अज्ञात महिलाओं ने उसका मंगलसूत्र चोरी किया हैं। लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुदवारी अमखेरा गोहलपुर निवासी 63 वर्षीय श्रीमती बेबी सिंह राजपूत ने गत 31 मार्च को सराफा बाजार स्थित कुचिया ज्वेलर्स दुकान सें एक सोने का मंगलसूत्र खरीदा था और मंगलसूत्र को कुचिया ज्वेलर्स दुकान में ही गुथने के लिये दे दिया था। गत शाम लगभग 5 बजे सराफा बजार कुचिया ज्वेलर्स दुकान से सोने का मंगलसूत्र लेकर छोटे पर्स में रखकर अपने बैग में रख ली थी और सराफा से पैदल श्याम बैंड की गली के बाजू में तलवारे वाले के यहां पहुंची तथा कांच की चूड़ी खरीदी तब तक बैग में छोटा पर्स रखा था। इसके बाद वह गंजीपुरा चौराहे से ई रिक्शा में बैठकर गोलबजार पवन स्थापक की गली में जाकर उतर कर बड़ी बहन की बेटी नीरजा राजपूत के यहां गयी और नीरजा को अपना खरीदा हुआ मंगलसूत्र दिखाने हेतु बैग खोला तो बैग से छोटा पर्स जिसमें मंगलसूत्र रखा था वह गायब था। उसने बताया कि ई रिक्शा मे पहले से ड्रायवर के अलावा दो महिलायें बैठी थीं एवं उसके बैठते ही तीन महिलायें और बैठ गयी थी उसे संदेह है कि उन्हीं में से कोई महिला ने उसका सोने का मंगलसूत्र गुरिया सहित चोरी कर लिया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कार की टक्कर से 3 मजदूर घायल

जबलपुर। कटंगी थाना अतंर्गत ग्राम डुंगरिया स्कूल के पास पुलिया में एक कार ने तीन मजदूर को टक्कर मार दी, जिससे तीनों घायल हो गए और तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कटंगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार दमोहनाका निवासी 40 वर्षीय मजदूर देवीशरण गौंड गत दिवस अपने भाई गंगाधर गौंड़ एवं उसके साथ काम करने वाले वीरेन्द्र सिंह, हरित सिंह राजपूत, फग्फो बाई यादव मजदूरी करने आये थे। पाटन रोड में मजदूरी का काम करने के बाद पाटन तरफ से पैदल ग्राम पौड़ी आ रहे थे जैसे ही शाम लगभग 7.30 बजे ग्राम डुंगरिया स्कूल के पास पुलिया पर पहुंचे, तभी पाटन तरफ से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीएल 3215 के चालक ने पीछे से उसके भाई गंगाधर गौंड़, हरित सिंह राजपूत, फग्गो बाई यादव को टक्कर मार दी, जिससे तीनों के हाथ पैर एवं शरीर में चोटे आ गयीं हैं। देवीशरण ने तीनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

दिन भर चली गर्म हवाएं गर्मी बढ़ी

अब पारा तेजी से मारेगा उछाल

हरिभूमि जबलपुर।

मौसम शुष्क होने पर प्रचंड गर्मी अपना असर दिखा रही है। शनिवार को पारा 38 डिग्री के पार पहुंच गया। दिन में धूप इतनी तेज थी कि सड़कें सूनी हो गईं थीं। शाम ढलने के बाद सड़कों पर चहल-पहल बनी। मौसम विभाग का कहना है अगले 24 घंटों के दौरान तापमान में उछाल बरकरार रहेगा। धूल भरी आंधी चलेगी। मौसम कार्यालय के अनुसार मौसम पूरी तरह से साफ है। आसमान पर छाई बादलों की परत भी छट गई है, लिहाजा गर्मी अपना आक्रामक रूप दिखायेगी।

मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 38.05 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। जबकि

न्यूनतम तापमान 19.04 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा मे नमी प्रातःकाल 57 प्रतिशत और सायंकाल 14 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5 बजकर 57 मिनिट पर हुआ, जबकि सूर्यास्त सायं 6 बजकर 27 मिनिट पर हुआ। प्रदेश में सर्वाधिक 40 डिग्री तापमान रतलाम और न्यूनतम तापमान 14.6 पचमढ़ी जिले में दर्ज किया गया। पश्चिमी हवायें 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। मौसम कार्यालय के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान जिले का मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना व्यक्त की गई है, साथ ही तापमान में उछाल की संभावना व्यक्त की गई है। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

जुआ, सट्टा, नशे के अवैध कारोबारियों पर कार्रवाई

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, के कारोबार में लिप्त आरोपियों के साथ साथ चोरी, नकबजनी एवं मारपीट करने वालें आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 13 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 48 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 8 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 4 गैरम्यादी, 34 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 4 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 33 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 14 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी तथा 4 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 2 बका, 2 चाकू जप्त किये गये एवं 4 जुआडियों को जुआ खेलते हुये एवं 7 सटोरियों को सट्टा लिखते हुये रंगे हाथों पकडा गया जुआडियो एवं सटोरियो के कब्जे से 4 हजार 560 रूपये जप्त किये गये।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

हाईकोर्ट का सख्त निर्देश

रेवेन्यू बोर्ड के अध्यक्ष करें राजस्व अदालतों की कार्यप्रणाली की जांच

मप्र हाईकोर्ट ने राजस्व न्यायालयों की मनमानी कार्यप्रणाली को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने रेवेन्यू बोर्ड के अध्यक्ष को राजस्व अदालतों की कार्यप्रणाली की जांच करने के निर्देश दिए।

हरिभूमि जबलपुर।

कोर्ट ने कहा कि राजस्व अधिकारियों की लापरवाही के चलते यहां के कामकाज में बहुत खामियां हैं, जिनकी जांच करना आवश्यक है। बोर्ड के अध्यक्ष को तीन माह के भीतर जांच रिपोर्ट हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने जांच रिपोर्ट के साथ स्टाफिंग पैटर्न और प्रकरणों की सुनवाई में व्यापक बदलाव के लिए सुझाव भी पेश करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि रिपोर्ट में रीडर आदि की लंबी अवधि तक तैनाती के प्रभाव और हर तीन साल में उन्हें बदलने की व्यवस्था का भी उल्लेख करने के निर्देश दिए। एक मामले में

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जबलपुर अमर बहादुर सिंह ने एक मामले में आवेदन पेश होने के दूसरे ही दिन अनावेदकों की सुने बिना ही आदेश पारित कर दिया था। अतिरिक्त आयुक्त के इस आदेश को जबलपुर निवासी रवि प्रसाद व अन्य ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

मामले पर सुनवाई के दौरान अतिरिक्त आयुक्त ने शपथ पत्र प्रस्तुत कर अपनी गलती स्वीकार की और अपना आदेश भी वापस ले लिया। उन्होंने हाईकोर्ट को आश्वस्त भी कराया कि वे अधीनस्थ अदालत का रिकॉर्ड बुलवा कर नए सिरे से मामले की सुनवाई करेंगे।

किरायेदार को दुकान से बेदखल करने पर रोक

जबलपुर। व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-एक वरिष्ठ खंड श्रेया शर्मा की अदालत ने किरायेदार को दुकान से बेदखल करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने अस्थाई निषेधाज्ञा का आदेश पारित करते हुए निर्देश दिया कि प्रकरण के अंतिम निराकरण तक आवेदिका को विधि विरुद्ध तरीके से दुकान से निकाला न जाए। आवेदिका सदर निवासी नेहा सहगल की ओर से अधिवक्ता अशोक जायसवाल, रजनीश जायसवाल व कपिल रमानी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि सदर की गली में स्थित दुकान में आवेदिका लंबे समय से किरायेदार है। दुकान मालिक दुकान खाली कराने आई थीं। अवैध तरीके से दुकान का सामान बाहर फेंकने की नाकाम कोशिश की गई। इस गुंडागर्दी की शिकायत कैंट थाने में कर दी गई। लेकिन कार्रवाई नदारद रही। इसीलिए कब्जा संरक्षण के लिए सिविल सूट दायर किया गया है।

ये है मामला

दरअसल, रवि प्रसाद, राधा बाई और रंजीत काछी की पैत्रिक संपत्ति का तहसीलदार द्वारा उन्हें जानकारी दिए बिना बंटवारा कर दिया था। इस पर आवेदकों ने एसडीएम कोर्ट में अपील पेश की थी। एसडीएम कोर्ट ने आवेदकों के पक्ष में अंतरिम आदेश दिया। इस अंतरिम आदेश के खिलाफ मुरारी काछी व अन्य ने अतिरिक्त कमिश्नर अमर बहादुर के समक्ष 17 फरवरी 2025 को पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत की। अतिरिक्त आयुक्त ने यह मामला 6 मार्च को सुनवाई के लिए रखा था। इसके बावजूद दूसरे ही दिन यानी 18 फरवरी को ही रवि प्रसाद आदि को नोटिस दिए बिना और सुने और सुने बगैर ही आदेश पारित कर दिया।

कमजोर वर्ग के छात्रों को शासन से शिक्षा ग्रहण करने में सहयोग देना अनुचित नहीं

निजी मेडिकल कॉलेज में लागू मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना संवैधानिक रूप से सही

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में निजी मेडिकल कॉलेज में लागू मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना को संवैधानिक करार दिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने कहा कि इस योजना के तहत समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को यदि मुफ्त में शासन द्वारा शिक्षा दिलाई जाती है तो उसे असंवैधानिक या अनुचित नहीं ठहराया जा सकता है। हालांकि, हाईकोर्ट ने ऐसे छात्रों की फीस भुगतान के लिए कुछ अहम दिशा निर्देश जारी किए। बेंच ने कहा कि नीट उत्तीर्ण एलआईजी परिवार के छात्रों के प्रवेश लेने के तीन माह के भीतर शासन उनकी पूरी वार्षिक फीस व शुल्क का संस्थान को भुगतान कर दे। यह राशि संस्थान के खाते में नहीं वरन छात्र व संस्थान के संयुक्त खाते में जमा होगी। ये एकाउंट छात्र के आधार, पैन आदि से लिंक होगा ताकि एक छात्र के नाम पर दो बार फीस जमा नहीं हो पाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि छात्र किसी सत्र में अनुत्तीर्ण होता है तो शासन उसकी छात्रवृत्ति रोक नहीं सकते। इसके लिए निजी संस्थानों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह योजना के तहत प्रवेश लेने वाले छात्रों की पूरी जानकारी सरकार को भेजे, ताकि समय पर उनकी फीस जमा हो सके।

हाईकोर्ट का एक अहम फैसला

प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों की ओर से याचिका दायर कर राज्य सरकार की उक्त योजना को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से सिद्धार्थ राधेलाल गुप्ता व आर्यन उरमलिया ने पक्ष रखा। याचिका में उक्त योजना को निजी कॉलेजों पर बाध्य करने को चुनौती दी गई थी। दलील दी गई कि कमजोर वर्ग के छात्रों का राज्य शासन द्वारा निजी संस्थानों में प्रवेश तो करा दिया जाता है, लेकिन उनका शिक्षण शुल्क समय पर नहीं दिया जाता। कई बार तो संस्थानों को कई वर्ष तक यह भुगतान नहीं किया जाता है।

विधायक घनघोरिया के नेतृत्व में गोहलपुर थाने का घेराव

अपराध बेलगाम, पुलिस चालान में मस्त

जबलपुर। बिगड़ती कानून व्यवस्था, वाहन चैकिंग के नाम पर अवैध वसूली और बेलगाम यातायात को लेकर पूर्व विधानसभा के विधायक लखन घनघोरिया के नेतृत्व में शनिवार दोपहर गोहलपुर थाने का घेराव किया गया. इस अवसर पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा, नेता प्रतिपक्ष अमरीष मिश्रा, दिनेश यादव, अभिषेक यादव, रामदास यादव, रीतेश अग्रवाल, ताहिर अली, पार्षद शफीक हीरा, कलीम खान, गुलाम हुसैन, याकूब अंसारी, मुन्नू पंडा , जितेन्द्र ठाकुर, कांग्रेस नेता हामिद मंसूरी, आजम खान, आबिद मंसूरी, निहाल मंसूरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित थे। श्री घनघोरिया ने यहां कहा, गोहलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस की निष्क्रियता के चलते अपराध बेलगाम हो रहे हैं. पुलिस अपनी नाकामी छिपाने के लिये गलियों कुलियों में खड़े होकर आमजन का चालान काट रही है. थाने अंतर्गत आने वाले किसी चौराहे में पुलिस मौजूद नहीं रहती. पूरा पुलिस बल वसूली में लगा है. यातायात बेलगाम हो चुका है. आज के यह प्रदर्शन पुलिस प्रशासन के लिये चेतावनी है की अपनी कार्यप्रणाली ठीक करें. वर्ना आने वाले दिनों उग्र प्रदर्शन किया जाएगा. गौरतलब है की पूर्व में बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ विधायक लखन घनघोरिया अभियान चला रहे हैं।

घमापुर और बेलगाम थाने का भी होगा घेराव- इसी क्रम में शनिवार को गोहलपुर थाने का घेराव किया गया। आगामी 13 अप्रैल रविवार को घमापुर थाने और 17 अप्रैल को बेलगाम थाने का घेराव किया जाएगा।

ईसाई धर्मगुरु अभद्रता मामले में रांझी थाने में हंगामा

हिन्दूवादी नेताओं पर एफआईआर के खिलाफ प्रदर्शन

हरिभूमि जबलपुर।

गत 31 मार्च को रांझी थाना परिसर में ईसाई धर्मगुरुओं के साथ हुई अभद्रता के मामले में पुलिस ने करीब आधा दर्जन विश्व हिन्दू परिषद-बजरंग दल कार्यकर्ताओं पर शुक्रवार की रात एफआईआर दर्ज कर ली है। बताया जाता है कि पुलिस ने 31 मार्च वाले घटनाक्रम में कुछ महिला कार्यकर्ता पर भी एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर के विरोध शनिवार को फिर हिन्दू वादी संगठनों के कार्यकर्ता थाने पहुंचे. कुछ देर तो थाना कैंपस में ही कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे, लेकिन जब बात बनती नजर नहीं आयी तो वे रांझी मुख्य मार्ग पर उतर आए। उन्होंने ने रास्ते बंद करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च को मंडला से आए कुछ लोगों को लेकर विश्व हिन्दू परिषद कार्यकर्ता रांझी थाना पहुंचे थे। उनका आरोप था कि उक्त ग्रामीणों को धर्मांतरण के लिए जबलपुर लाया गया था। इसी घटनाक्रम के कुछ घंटों बाद ईसाई समाज के धर्मगुरु रांझी थाना पहुंचे थे। जिन्हें थाने में देख हिन्दू वादी संगठन के कार्यकर्ता उनका विरोध करने लगे। अगले दिन मतलब 1 अप्रैल को यह बात सामने आई कि थाने पहुंचे धर्म गुरुओं के साथ अभद्रता की गई थी। इस बात की शिकायत लेकर ईसाई समुदाय के लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने ने सबूत के तौर पर सोशल मीडिया में वायरल वीडियो भी पेश किए थे। उन्होंने ने मांग की थी कि रांझी थाना कैंपस में मारपीट करने वालों पर एफआईआर दर्ज की जाए। जिसके बाद शुक्रवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली।

अभाविप ने किया जॉय स्कूल का घेराव, मेबन का फूंका पुतला

जबलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जबलपुर महानगर ने आज विजयनगर स्थित जॉय स्कूल का घेराव किया और स्कूल के संचालक अखिलेश मेंबन का पुतला जलाया। यह प्रदर्शन अखिलेश मेंबन द्वारा अपने

व्हाट्सएप स्टेटस पर भगवान श्री राम के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर किया गया था। अखिलेश मेंबन ने बीते दिनों अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने भगवान श्री राम के बारे में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस पोस्ट के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही समाज में भारी आक्रोश फैल गया और इसे लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। अभाविप के कार्यकर्ताओं ने जॉय स्कूल के बाहर जमकर नारेबाजी की और अखिलेश मेंबन का पुतला जलाया। उनका कहना था कि यह कृत्य हमारे आराध्य भगवान श्री राम और सनातन धर्म का घोर अपमान है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्यार्थी परिषद ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि जॉय स्कूल की मान्यता जल्द से जल्द रद्द की जाए और इस तरह के अपमानजनक बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान प्रांत मंत्री माखन शर्मा, महानगर मंत्री ऐश्वर सोनकर, प्रांत सह मंत्री आर्यन पुंज, छात्रा प्रमुख अंचल मिश्रा, दिव्यांक पचौरी, तनीश पांडेय और अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

ज़ोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य बने आशीष शुक्ला

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के डीआरएम कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा ने की। इस अवसर पर बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से बहुमत के आधार पर ज़ोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में आशीष शुक्ला का चयन किया। चुनाव के पूर्व आशीष शुक्ला द्वारा बैठक में सिहोरा के निकट स्थित छपरा

रेलवे स्टेशन का मामला उठाया जिसको लेकर पूर्व में संसद द्वारा घोषणा भी की जा चुकी थी। इसके विषय में रेल अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त स्टेशन को लेकर मंडल में सहमति बन चुकी है और इसका प्रस्ताव दिल्ली भेजा गया है लेकिन दिल्ली से अभी स्वीकृति नहीं आई है जैसे ही स्वीकृति आएगी स्टेशन का काम शुरू हो जाएगा। आशीष शुक्ला की नियुक्ति पर योगेन्द्र दुबे, राजीव बड़ेरिया, सौरभ बड़ेरिया, सुरेश गौतम, अटल उपाध्याय, श्याम सुंदर माहेश्वरी, सुरेश असाव, राकेश सुहाने, राजेंद्र तिवारी, राजेश गोयल, सुरेश पागे, अशोक साहू, आसाराम मिश्रा, अशोक मिश्रा, संजय गुप्ता, कृष्णकांत दुबे, मयूर जौवनपुत्रा, शुभम मिश्रा, संजीव गुप्ता, अरविंद खरे, दीपक माहेश्वरी, देवेश मिश्रा, संजय रंगवानी, दया सिंह, संजय चतुर्वेदी, अजय शुक्ला, शैलेंद्र गुप्ता, अंबरीश तिवारी, अर्पित शुक्ला, आशीष तिवारी, प्रवीण अग्रहरि, अभिषेक शुक्ला, राजू शर्मा, आशीष चौबे, नितिन गौतम, रवि चौबे, सुरेश वर्मा, अनिल पांडे, राजकुमार भंवरा, पप्पू जैन, सतीश सोधिया, संदीप अग्रवाल, राजुल करसोलिया, पर्व जसवाल, लोकेश व्यास, अखिलेश शुक्ला, मुकेश नेवरिया, अनूप तिवारी, प्रेमनारायण पांडे, विनीता अग्निहोत्री, किशोर गौतम, संजय सिंह आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

पंद्रह दिवसीय झील महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

पर्यटन सिर्फ मनोरंजन ही नहीं बल्कि रोजगार का अवसर भी करता है प्रदानः मंत्री राकेश सिंह

हरिभूमि जबलपुर।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को शाम माँ नर्मदा के विश्व प्रसिद्ध बरगी बाँध तट पर पंद्रह दिवसीय झील महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। बरगी बांध के तट पर मंडला जिला के ग्राम देवरी बकई में 5 से 20 अप्रैल तक आयोजित इस भव्य कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक नीरज सिंह ठाकुर, संतोष बरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष मंडला संजय कुशराम, जिला पंचायत अध्यक्ष जबलपुर आशा मुकेश गोंटिया, अखिलेश जैन, रिंकुंज विज, कलेक्टर दीपक सक्सेना, सीईओ जिला पंचायत मंडला व जबलपुर के साथ अन्य संबंधित अधिकारी व बड़ी तादात में आमजन मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ नर्मदा पूजन से किया गया।

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पहले भी एडवेंचर गेम के नाम से अलग-अलग स्थानों पर ऐसे कार्यक्रम होते थे। लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में नर्मदा तट की सुंदर जगह पर झील महोत्सव का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन सिर्फ मनोरंजन के लिए ही नहीं होता बल्कि इससे संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है। वहीं इससे रोजगार के अवसर मिलते हैं। पर्यटन जीवन में विविधता लाता है। प्राचीन काल से ही पर्यटन का बहुत महत्व रहा है।

पर्यटन के विकास पर रोजगार के अवसर सुनिश्चित किया जा सकता है। देवरी बकई ग्राम जो कि विधानसभा पनागर, बरगी और मंडला की सीमा में स्थित है, जहां की सुंदरता बहुत ही आकर्षक है। ऐसे सुंदर स्थल पर आयोजित इस झील महोत्सव के मार्केटिंग करने से यह और भी सफल होगा। उन्होंने कहा कि स्कूल कॉलेज व कोचिंग संस्थान में अध्यनरत विद्यार्थियों को भी ऐसे स्थलों का भ्रमण कराना चाहिए। मंत्री श्री सिंह ने भारतीय नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश के विकास के लिए सभी जगह बेहतर संसाधन उपलब्ध हो।

सम्राट अशोक की जयंती पर कार्यक्रम आज

जबलपुर। अखण्ड भारत के निर्माता प्रियदर्शी सम्राट अशोक महान की जयंती 6 अप्रैल को शाम 4 बजे से अशोका बुद्ध विहार सभा भवन एवं शिक्षा समिति सिद्धनाथ रामपुर जबलपुर में आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री होंगे, अध्यक्षता वृंदावन वर्मा करेंगे। आयोजन में उपस्थिति की अपील वृंदावन वर्मा संस्थापक सम्राट अशोक क्रांति सेना जबलपुर, दयाशंकर कुशवाहा, रामभजन कुशवाहा नीलू, सिद्धराम यादव, अमरसिंह, प्रफुल्ल कुशवाहा, सोहन कुशवाहा, शैलेन्द्र कुशवाहा, रामकरण कुशवाहा आदि ने की है।

अष्टमी पर घर-घर माता महागौरी को चढ़ाई गई अठवाईं

नवमीं पर आज होगा जवारों का विसर्जन

हरिभूमि जबलपुर।

वासंतेय नवरात्र पर्व की आज नवमीं है। शनिवार को अष्टमी पर सभी देवी, देवालयों में पूजा अर्चना की गई। माता महागौरी को अठवाई का भोग लगाया गया। कन्याभोजन और भंडारे के आयोजन किए गए। आज भी यह सिलसिला नवमी पूजन पर जारी रहेगा। नवमें दिन माँ भगवती के नौवें स्वरुप सिद्धीदात्री की पूजा अर्चना की जाएगी। शहर के प्रसिद्ध प्राचीन मठ बड़ी खेरमाई, बूढ़ी खेरमाई, छोटी देवन राइट टाउन, बगलामुखी सिद्धपीठ सिविक सेंटर, श्री वृहत महाकाली कालीधाम गढाफाटक, महाकाली मंदिर सदर, काली मंदिर गोपालबाग, मक्रवाहिनी मंदिर पानदरीबा में लगातार नौ दिनों तक अनुष्ठान चले। जवारों की स्थापना की गई। आज नवमी में हवन पूजन के बाद जवारों की विसर्जन यात्रा भी निकाली जाएगी। पिछले नौ दिनों से शहर पूरी तरह भक्तिभाव में डूबा रहा। देवी के नौ स्वरूपों की उपासना आराधना की गई। वासंतेय नवरात्र की महाअष्टमी पर घर-घर आठें भरी गईं। देवी को भोग अर्पित किया गया।

माँ शारदा आशीष दरबार में हवन

सैनिक सोसायटी रामपुर स्थित माँ शारदा आशीष दरबार में मंगलवार महाअष्टमी को हवन पूजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। पिछले 9 दिनों से यहां धार्मिक अनुष्ठान चल रहे थे। इस अवसर पर मुकेश कुशवाहा, उपाध्यक्ष- मिलन मुखर्जी, सचिव- जयंत, क्षीरसागर, संजय बारहा, पंडित-सुबोध मिश्रा, सरबजीत सिंह तग्गड, संतोष द्विवेदी, मनीष शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

नगर में अनेक स्थानों पर आदिशक्ति की प्रतिमा स्थापित

माता के जयकारों से गूंजे मठ, मंदिर, देवालय

सिहोरा। आदिशक्ति मां जगत जननी की साधना-उपासना का महापर्व चैत्र नवरात्र की तिथि के हिसाब से आज नवमी है आज भी घर घर में कन्या भोजन के कार्यक्रम एंव मंदिरों में भंडारे के आयोजन किए जायेंगे है। नगर के देवी मठो बूढ़ी माई, मां ज्वालादेवी, दुर्गा मंदिर, कंकाली मंदिर, पर्वत वासनी खेर मां, माता देवालय खडरा आदि में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों का तांता लगा रहता है। सभी देवी मंदिरों में घट जवारे की भी स्थापना के साथ नौ दिनों के लिए अखंड ज्योति की भी स्थापना की गई है। समस्त देवालयों में जहां सुबह से ही माता को जल अर्पित करने भक्तों की लम्बी लाइन लग जाती है तो वहीं दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों से सारा वातावरण धर्ममय बना हुआ है। घरों में भी श्रद्धालुओं द्वारा नौ दिनों तक उपवास रखकर शेरावाली की आराधना की जा रही है। सिहोरा में इस बार अनेक स्थानों पर शारदेय नवरात्र की तरह देवी जी की प्रतिमा स्थापित की गई है।

सनातन धर्म महासभा के नेतृत्व में होगा आयोजन

श्रीराम जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा आज

हरिभूमि जबलपुर।

वासंतेय नवरात्र पर्व के विश्राम दिवस पर आज रामनवमीं के दिन मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। वहीं आदिशक्ति की उपासना के नौ दिन सिद्धिदात्री देवी की आराधना व उपासना के उपरांत श्रद्धालु अपना व्रत खोलेंगे और तदोपरांत जवारों की शोभायात्रा निकाली जायेगी। श्री सनातन धर्म महासभा द्वारा भगवान श्रीराम नरसिंहपीठाधीश्वर स्वामी नरसिंहदास महाराज के सानिध्य में शाम 4 बजे सनातन चौक (पुराना बस स्टेण्ड) से श्रीराम शोभायात्रा निकाली जायेगी। श्री सनातन धर्म महासभा के ने बताया कि भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर शहर में परम्परानुसार 06 अप्रैल रविवार की शाम 4 बजे से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। शोभायात्रा में रामधुन प्रस्तुत करती विभिन्न मंडलियां शामिल होंगी। वहीं शहर के तमाम साधु संत भी इस शोभायात्रा में शामिल होंगे। जीवंत झांकियां, बैण्ड दल और अश्वारोही दल भी शोभायात्रा में चलेंगे। शोभायात्रा में श्रीराम मंदिर मदनमहल की झांकियां भी शामिल होंगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष गुलशन माखीजा ने बताया कि मंदिर में प्रातः मानस गायन एवं धार्मिक अनुष्ठान होंगे। दोपहर 12 बजे प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जायेगा। विशाल भंण्डारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद, भोजन आदि का वितरण किया जायेगा। तदोपरांत दोपहर 3 बजे मंदिर से शोभायात्रा प्रारंभ होगी, जो बस स्टेण्ड में जाकर मुख्य शोभायात्रा में शामिल होगी।

शोभायात्रा का मार्ग

शोभायात्रा मुख्य बस स्टैण्ड से निकलकर तीनपत्ती चौक, जहांगीराबाद, मालवीय चौक, सुपर मार्वेट, गंजीपुरा, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट, सराफा बाजार, कोतवाली थाना होते हुये गोविंदगंज रामलीला मैदान मिलौनीगंज में संपन्न होगी, जहां पर धर्म सभा के रुप में तब्दील हो जायेगी।

हनुमान चालीसा का होगा पाठ

शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की जीवंत झांकियों का प्रदर्शन किया जायेगा। अयोध्या में बने श्रीराम मंदिर की भव्य झांकी और हनुमानजी की जीवन झांकी आकर्षण का केंद्र होगी।

उपस्थिति की अपील

शोभायात्रा में उपस्थिति की अपील सनातन धर्म महासभा के महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद महाराज, स्वामी नरसिंह दास महाराज, स्वामी राधेचैतन्य, श्याम साहनी, चंद्र कुमार भनोत, बाबू विश्वमोहन, गुलशन मखीजा, अनिल तिवारी, कैलाश गुप्ता, वासुदेव शास्त्री, डॉ पवन स्थापक, डॉ सुधीर अग्रवाल ने विध्येश भापकर, डा एच पी तिवारी, एमआईसी सदस्य रजनी कैलाश साहू, संदीप जैन गुड्डा, डॉ.संदीप मिश्रा, मनोज नारंग, लक्की भाटिया, पप्पन मिश्रा, मनोज यादव, अंशुल मलिक, श्रीमति आभा साहू दीपक साहू, आदि ने की है।

भगवान झूलेलालजी का छठी महोत्सव आयोजित

जबलपुर। चैट्रीचंड्र महोत्सव क्रार्यक्रम की श्रखंला में भगवान झूलेलाल जी का छठी महोत्सव क्रार्यक्रम, बिलासपुर चकरभाटा (सिंधु अमर आश्रम) के परम पूज्य सांई लाल सांई जी के आध्यात्मिक सत्संग के साथ भारतीय एकता मंडल द्वारका नगर के तत्व धान में संपन्न हुआ, इससे पूर्व मंहत श्री आसन दास जी के सानिध्य में समीति सदस्यों द्वारा सांई जी का स्वागत किया गया, एवं विशाल भंडारे का भी आयोजन किया , इस अवसर पर अध्यक्ष गणेश जेठवानी, रतन बैलानी, दुलीचंद दैवानी,भरत मंगलानी,अशोक ठाकुर, द्वारका दास लालवानी, लधाराम गिद्वानी, हरीश नवानी, सोनू माखीजा, हरीश सचदेवा, संजय तोतलानी,सुरेश रामचंदानी, किशोर शिवानी, जितेंद्र लालवानी, रवि तोतलानी, अशोक ठाकुर, संजय भवानी, निक्की नरेश लालचंदानी, आदि उपस्थित रहे।

सांई जन्मोत्सव पर शोभायात्रा आज

जबलपुर। श्री गौरीशंकर सांईनाथ मंदिर रसल चौक द्वारा सांई जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन 06 अप्रैल को शाम 06 बजे से किया गया है। रसल चौक मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा प्रारंभ होकर तीनपत्ती चौराहा, मालवीय चौक, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, अंधेरदेव, करमचंद चौक मंदिर का भ्रमण करती मंदिर प्रांगण पहुंचकर संपन्न होगी। 7 अप्रेल को दोपहर 2 बजे से विशाल भंडारा एवं शाम 7 बजे महाआरती होगी। समस्त कार्यक्रम में उपस्थिति का आग्रह अभिलाष पांडे विधायक, शेखर मुदलियार, दुर्गेश शाह, विष्णु नायडू, कृष्णकांत अग्रवाल आदि ने समस्त भक्तजनों से किया है।

साईं जन्मोत्सव पर भी आज कार्यक्रम

श्रीराम नवमी पर सिहोरा में आज मातृशक्ति निकालेगी वाहन रैली

सिहोरा। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर कुछ अलग करने का मन में संकल्प लेकर विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी की मातृशक्ति के तत्वावधान में आज 6 अप्रैल रविवार को श्रीराम नवमी पर शाम 3 बजे विशाल वाहन रैली निकाली जायेगी। जिसमें सभी मातृशक्ति का शिव मंदिर बाबाताल में एकत्रीकरण होगा जहां से वाहन रैली प्रारम्भ होगी।

आज साई जन्मोत्सव पर अनेक आयोजन

श्री साईं शक्ति समिति के तत्वावधान में आज रविवार को साईं जन्मोत्सव पर साईं मंदिर में प्रातः 8 बजे अभिषेक पूजन हवन के उपरांत सायं 6 बजे से कन्या भोजन एंव विशाल भंडारे का आयोजन तथा रात्रि 8 बजे से भजन संध्या एंव महा आरती साईं मंदिर प्रांगण सरस्वती पार्क सिहोरा में आयोजित की गई है। इसी तरह शक्ति समिति द्वारा शनिवार को साईं पालकी यात्रा भी निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए साईं मंदिर में संपन्न हुई।

बिन मांगे सब दे दे वही सच्चा मित्र : रामचंद्र महाराज

मझौली। शनि मंदिर महाकाली समिति मझौली के तत्वावधान में चल रही भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के अंतिम दिन कथा वाचक रामचंद्र महाराज के द्वारा भगवान के विवाह कथा का वर्णन किया तथा सुदामा चरित्र की कथा सुनाई। जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि सच्चा मित्र से समय आने पर मांगने की जरूरत नहीं पड़ती बिना मांगे ही अपना सबकुछ दे दे वही सच्चा मित्र है। मनुष्य का जिवन मिला है तो अच्छे कर्म करना चाहिए ओर भगवान के भजन करते अपना जीवन यापन करना चाहिए।

मातृ व नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने लाँच किया प्रोजेक्ट 'अधुना'

जबलपुर। देश में गायनेकोलॉजिस्टस को सर्वोच्च संस्था फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एण्ड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज ऑफ इंडिया ने प्रोजेक्ट अधुना लाँच किया है। इस पहल का उद्देश्य भारत के चार राज्यों उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, उड़ीसा में निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रसव के दौरान देखभाल को सुदृढ़ बनाना है। मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल के लिए साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण के साथ चिकित्सा प्रथाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट अधुना इन राज्यों के 29 चुनिंद जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देगा। प्रोजेक्ट के विस्तृत दृष्टिकोण पर सोसाइटी के इमीडिएट पास्ट प्रेजीडेंट एवं अधुना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. जयदीप टांक ने कहा कि प्रोजेक्ट उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो व्यावहारिक नवाचारों और साक्ष्य आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने के साथ ही उच्च गुणवत्त वाली मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को हर क्षेत्र में समान रूप से उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है। जबलपुर, जो प्रोजेक्ट अधुना के तहत 29 जिलों में से एक है, ने 05 अप्रैल 2025 को अपना पहला सीपीडी सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम सोसाईटी की प्रेजीडेंट डॉ. सुनीता तांडुलवडकर और अधुना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. जयदीप टांक के नेतृत्व में आयोजित किया गया। सत्र का आयोजन जबलपुर ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलॉजिकल सोसायटी के सहयोग से किया गया, जिसमें डॉ. अर्चना श्रीवास्तव और डॉ. ऋचा धीरावानी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर सुहागी में पूजन करने उमड़े भक्त

जबलपुर। सुहागी इंद्रा नगर स्थित सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर संस्कारधानी का ऐसा मंदिर है जहां जाने से हर भक्त की मनोकामना पूरी हो जाती है। यह प्राचीन मंदिर लगभग 80 वर्ष पुराना है। और यह शहरवासियों के साथ दूर-दूर गांव व जिलों से भी आने वाले श्रद्धालुओं का आस्था का केंद्र है। इस मंदिर में अन्य देवी देवताओं की मूर्तियां भी विराजी है जिनमें नर्मदेश्वर महादेव, दक्षिण मुखी हनुमान जी, काल भैरव बाबा जी, शीतला माता एवं न्याय के देवता शनि देव भगवान भी है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से ही इस प्रसिद्ध सिद्ध पीठ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है और यह सिलसिला 9 दिन तक जारी रहता है। माता दुर्गा जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। सिद्ध पीठ दुर्गा मंदिर सुहागी में मंदिर में बोए गए जवारे का विसर्जन सोमवार को किया जाएगा।

श्री राजपूत करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष का हुआ नगर आगमन

जबलपुर। श्री राजपूत करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर सहेंद्र सिंह रिंकू का 04 अप्रैल 2025 को जबलपुर आगमन हुआ, शहर के हृदय स्थल महाराणा प्रताप परिसर में श्री राजपूत करणी सेना के समस्त पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया गया तथा आगामी 12 अप्रैल आगरा जाने के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में ठाकुर शैलेंद्र सिंह, ठाकुर श्री राजपूत करणी सेना संभाग अध्यक्ष विशाल सिंह सोलंकी, जिला अध्यक्ष संजू राजपूत, दिलीप सिंह, रक्षित सिंह, ईश्वर सिंह, संदीप सिंह, सुजीत सिंह, इंद्रपालसिंह परिहार, अमित सिंह, रोहित, महेंद्र सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, शिवम सिंह परिहार और दुर्गेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

महाकोशल कॉलेज के 3 विद्यार्थियों का चयन अग्निवीर सेना में

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत अग्निवीर सेना में चयनित हुये महाविद्यालय के 03 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय नोडल अधिकारी, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना ने बताया कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर के विद्यार्थी रोशन सिंह राजपूत बी.काम तृतीय वर्ष, जीजस शिवहरे बी.ए. तृतीय वर्ष, निखिल राय बी.ए. तृतीय वर्ष का चयन अग्निवीर सेना में जी.डी. पोस्ट पर हुआ है। इनकी ट्रेनिंग हैदराबाद, अहमदनगर में होगी। आज इन विद्यार्थियो को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रो. शुक्ल ने कहा कि लगन एवं निष्ठा से लक्ष्य निर्धारित करने पर विद्यार्थियों को मंजिल मिलती है। अग्निवीर भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। अन्य विद्यार्थी इनसे प्रेरणा प्राप्त करें एवं सेना के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनायें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं सार्थियों द्वारा शुभकामनायें प्रेषित की गईं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. शैलेन्द्र भवदिया, डॉ. तरूणेन्द्र साकेत उपस्थित रहे।

भागवत कथा का हुआ समापन, भंडारा आज

जबलपुर। व्हीकल फैक्टरी मढ़ई मस्जिद के पास चल रही श्रीमद भागवत कथा का शनिवार को समापन हुआ। श्रीमति गार्गी रामकुमार यादव, सुनील यादव, बंका शुक्ला की यजमानी में आयोजित सप्त दिवसीय भागवत कथा की रसधारा व्यास पीठ पर विराजमान पं. नितिन देव महाराज (वृंदावनधाम) प्रवाहित कर रहे थे। आज रविवार को हवन पूजन, कन्याभोज एवं भंडारे का आयोजन दोपहर 12 बजे से आयोजित है। कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थिति की अपील गरीब सेवा कल्याण समिति एवं व्यापारी संघ दुर्गा उत्सव समिति के सभी सदस्यों ने की है।

श्री महेश प्रसाद पुरोहित- सीओडी कॉलोनी सुहागी निवासी श्री महेश प्रसाद पुरोहित (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोहन बेन- आचार्य विनोबा भावे वार्ड ताड़ीखाना के पास निवासी श्री मोहन बेन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सचिन दुबे- लटकारी का पड़ाव निवाडगंज निवासी श्री किशोर दुबे के पुत्र श्री सचिन दुबे (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश राजपूत- परेल लाइन जीसीएफ एस्टेट निवासी श्री महेश राजपूत (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री छेदी लाल यादव- आइडियल हिल्स गौरीघाट रोड निवासी श्री छेदी लाल यादव (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिव प्रसाद विश्वकर्मा- हनुमान होटल सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री शिव प्रसाद विश्वकर्मा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कमला बाई- हाईकोर्ट सोसायटी छापर रामपुर निवासी श्रीमती कमला बाई (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजाराम रजक- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री राजाराम रजक (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मालती माला राय- आयुर्वेद कॉलेज के पीछे गौरीघाट निवासी श्री घनश्याम सिंह राय की धर्मपत्नी श्रीमती मालती माला राय (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुभाष नामदेव- राधाकृष्णन वार्ड सिद्धबाबा रोड निवासी श्री सुभाष नामदेव (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कलावती बारी- करमचंद चौक के निकट निवासी श्री रमेशचंद्र बारी की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती बारी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सीता कोल- कृष्णा कॉलोनी गोराबाजार कजरवारा रोड निवासी श्री विजय दशरथ कोल की धर्मपत्नी श्रीमती सीता कोल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अंकित सेन- पीपी कॉलोनी मढ़िया लाइन निवासी श्री राम सुमरन सेन के पुत्र श्री अंकित सेन (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हिल्या बाई ठाकुर- मांडवा टेंडर 1 बृजमोहन नगर रामपुर निवासी श्री सुक्कू ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती हिल्या बाई ठाकुर (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती नीरज अग्रवाल- रतन नगर निवासी श्री ब्रजेश अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती नीरज अग्रवाल (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x9 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x9 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाकौशल महाविद्यालय जबलपुर द्वारा महिला/ पुरुष इकाई ग्राम अमझर खमरिया में 6 फरवरी से 12 फरवरी तक किया जायेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी के दोनों इकाई के स्वयंसेवकों व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिवचंद वाल्के, छात्र संघ इकाई डॉ. कविता शाक्य छात्रा इकाई को हरी झंडी दिखाकर शिविर स्थल के लिए रवाना किया। शिविर पहुंचकर स्वयंसेवकों ने परिसर की साफ सफाई कर रैली, पोस्टर बनाया, तत्पश्चात ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी गतिविधियों का शुभारंभ किया। शुभारंभ में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत सरपंच कवित्री कुशराम उपस्थित रहीं।

आम आदमी पार्टी की बैठक संपन्न

जबलपुर। आम आदमी पार्टी द्वारा आगामी 20 अप्रेल को जबलपुर में संभागीय कार्यक्रम आयोजित किया जाना है, जिसकी मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल व जबलपुर जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के मुख्य प्रभारी सदस्य होंगे। उक्त कार्यक्रम को संपन्न कराने हेतु विचार विमर्श के लिए एक मीटिंग का आयोजन पार्टी कार्यालय सिविल लाइन में किया गया, जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, संगठन मंत्री रामकिशोर शिवहरे, जिला अध्यक्ष रीतेश सिंह, जिला सचिव आदेश दुबे, मीडिया कोआर्डिनेटर प्रशांत चौकसे, आदि उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME
I, **BISHNU MAYA ALE** (existing Name of spouse as per NOK) it legally wedded spouse Wife of **JC 580879A Ex SUB MAJ (HONY CAP) Narayan Singh,** presently residing at **Plot No. 263, Phse-1, Chaitanya City MANDLA RAOD Tilhari, JABALPUR (MP)-482020,** I have changed of my name from **BISHNU MAYA ALE** (name as per my Husband army service records) to **BISHNU MAYA** (name as per my **AADHAR CARD & PAN CARD)** vide Affidavit dated in **04/04/2025** format) before **SUBHASHISH CHATTERJEE** Public notary, JABALPUR M.P.
CORRECT NAME
BISHNU MAYA
INCORRECT NAME
BISHNU MAYA ALE

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता सुरक्षित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉम्प्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

1. जोखिम पहचान: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. जोखिम मूल्यांकन : संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

3. जोखिम मूल्यांकन: जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

4. जोखिम उपचार: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

जोखिम प्रबंधन के प्रकार

1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट : मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज़ दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट : क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट: इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

4. लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन: आवश्यकता पड़ने पर एसेट को कैश में बदलने में असमर्थता के कारण नुकसान की संभावना को लिक्विडिटी जोखिम के रूप में जाना जाता है। यह जोखिम प्रबंधन पर्याप्त नकदी आरक्षित रखता है और यह गारंटी देने के लिए प्रक्रियाएं रखता है कि आवश्यकता होने पर एसेट को तेजी से नकद में बदला जा सकता है।

5. प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन: प्रतिष्ठात्मक जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा या ब्रांड के नुकसान के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम है। प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन में कंपनी की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कि सोशल मीडिया की निगरानी करना और नकारात्मक फीडबैक का जल्दी जवाब देना।

6. कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन: नियमों और विनियमों को तोड़ने के परिणामस्वरूप होने वाला नुकसान कानूनी और नियामक जोखिम के रूप में जाना जाता है। संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुपालन की गारंटी देने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन का हिस्सा है।

क्या हों रणनीतियां

1. डाइवर्सिफिकेशन: डाइवर्सिफिकेशन एक स्ट्रेटेजी है जिसमें पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज में इन्वेस्टमेंट को फैलाना शामिल है। विभिन्न सेक्टरों, भौगोलिक क्षेत्रों और मार्केट कैपिटलाइजेशन में स्टॉक की रेंज में इन्वेस्ट करके, इन्वेस्टर पोर्टफोलियो पर किसी भी एक स्टॉक या सेक्टर के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

2. स्टॉप-लॉस ऑर्डर: स्टॉप-लॉस ऑर्डर अगर यह एक निश्चित प्राइस पॉइंट तक पहुंचता है, तो स्टॉक बेचने का ऑर्डर है। यह रणनीति उस स्थिति में संभावित नुकसान को सीमित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसमें स्टॉक की कीमत पूर्वनिर्धारित सीमा से कम होती है।

3. हेजिंग: हेजिंग में संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिए, अगर स्टॉक की कीमत कम हो जाती है, तो इन्वेस्टर संभावित नुकसान से सुरक्षा के लिए स्टॉक पर विकल्प खरीद सकता है।

4. ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट: मार्केट परिस्थितियों को शिफ्ट करने के लिए निरंतर आधार पर पोर्टफोलियो की निगरानी और बदलना को ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के रूप में जाना जाता है। बुद्धिमानी से निवेश चयन करने के लिए, इस तकनीक के लिए मार्केट ट्रेंड, कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस और आर्थिक डेटा का आकलन करना आवश्यक है।

5. डॉलर-लागत औसत: डॉलर-लागत औसत एक तरीका है, जिसमें मार्केट की स्थितियों के बावजूद कंपनी में नियमित अवधि में निरंतर राशि निवेश की जाती है। यह तकनीक निवेशकों को कीमतें कम होने पर अधिक स्टॉक खरीदकर मार्केट की अस्थिरता से लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाती है और जब कीमतें अधिक होती हैं तो कम शेयर होते हैं।

6. फंडामेंटल एनालिसिस: फंडामेंटल एनालिसिस, अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट, इंडस्ट्री ट्रेंड और अन्य संबंधित डेटा का मूल्यांकन करके कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को निर्धारित करने का एक तरीका है। यह विधि उन स्टॉक को खोजने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो सस्ते हैं और संभावित वृद्धि की संभावनाएं हैं।

बुलियन मार्केट बूम-बूम : क्या यह गोल्ड फंड में निवेश का है सही समय

सुझाव
बिजनेस डेस्क

सोना यानी गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना हुआ है, खासकर तो ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में यह और बढ़ जाता है। सोने की एमसीएक्स पर कीमत 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। सिर्फ इस साल यानी 2025 की बात करें तो इसकी कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है, जबकि साल 2024 में सोना 27 फीसदी मजबूत हुआ था। इंटरनेशनल स्तर पर, सोना 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की महत्वपूर्ण रेंज को पार कर गया है, वहीं कुछ ब्रोकरेज हाउस ने आगे और मजबूती की संभावना जताई है। अब यह सवाल उठता है कि क्या निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ और म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, या यह

सोने में रैली जारी रहने की उम्मीद

बुलियन मार्केट के जानकारों का कहना है कि सोने में पिछले 15 महीने की प्रभावशाली रैली यह सोचने पर मजबूत करती है कि इत तरह की तेजी किन वजहों से आई है। यह वर्तमान में दुनिया भर में जियो-पॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितताओं द्वारा संचालित टॉप प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास है। सोने की सेफ हैवन वाली स्थिति और मजबूत होती है, क्योंकि विशेष रूप से टैरिफ को लेकर अमेरिकी पॉलिसी, वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाती हैं। एक प्रमुख फैक्टर केंद्रीय बैंकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ सोना खरीदना भी है, जिसका उद्देश्य रिजर्व में विविधता लाना और अमेरिकी डॉलर जैसी सिंगल-करेंसी एसेट्स पर निर्भरता कम करना है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निकट भविष्य से लेकर लॉन्ग टर्म में सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। जियो-पॉलिटिकल टेंशन और केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी से दूर जाने का यह संयोजन सोने की कीमतों में तेजी के पीछे प्रमुख फैक्टर हैं। भारत में, विशेष रूप से वेडिंग सीजन के दौरान ज्वैलरी की पारंपरिक मांग, सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ाती है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की टैरिफ पॉलिसी ने सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स का आकर्षण बढ़ा दिया है। पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता, वैश्विक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और भारत व चीन में रिटेल इंटरेस्ट से प्रेरित सोने की मांग में यह स्ट्रक्चरल शिफ्ट आगे जारी रह सकता है। इसलिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड फंड में निवेश

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए, सोने से संबंधित एसेट्स हमेशा एक व्यवहारिक विकल्प होते हैं। शॉर्ट टर्म की प्राइस वोलेटिलिटी को कम करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सलाह है। इंडेक्स फंड, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड सहित गोल्ड फंड, व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा दे सकते हैं।

सोने में कमा लिया मुनाफा तो क्या करें

निवेशक अपने रिस्क लेने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रख सकते हैं। एलाइनमेंट सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पोर्टफोलियो समीक्षा जरूरी है। फाइनेंशियल प्लानर लॉन्ग टर्म एसेट एलोकेशन पर टिके रहने की सलाह दे रहे हैं। अगर आवश्यक हो, तो फाइनेंशियल एडवाइजर के गाइडेंस में रीबैलेंसिंग किया जा सकता है। सोने को आम तौर पर एक लॉन्ग टर्म एसेट क्लास माना जाता है और उसी के अनुसार स्ट्रैटेजी अपनाई जानी चाहिए।

लंबे समय के लिए करें निवेश

- वैश्विक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की खरीद के कारण सोने की कीमतें बढ़ी।
- लॉन्ग टर्म निवेशक सोने की स्थिरता और महंगाई के खिलाफ हेजिंग से लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव को मैनेज करने के लिए आदर्श विकल्प है।
- एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रखें और रीबैलेंसिंग के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श करें।
- सोना एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट एसेट है।

गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना है, ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में और बढ़ जाता है, सोने की एमसीएक्स पर दाम 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं।

बुलियन मार्केट में निवेश करने के चरण

चरण 1 : समझें बुलियन मार्केट

1. **बुलियन क्या है? :** बुलियन सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को कहते हैं।
2. बुलियन मार्केट कैसे काम करता है? : बुलियन मार्केट में इन धातुओं का कारोबार होता है, जहां निवेशक इन्हें खरीदते और बेचते हैं।

चरण 2: निवेश के विकल्प चुनें

1. **फिजिकल बुलियन :** सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को फिजिकल रूप में खरीदना।
2. **गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (जीईटीएफ) :** गोल्ड जीईटीएफ में निवेश करना, जो सोने की कीमत के अनुसार चलता है।
3. **बुलियन ईटीएफ :** अन्य कीमती धातुओं जैसे चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम के ईटीएफ में निवेश करना।
4. **बुलियन म्यूचुअल फंड्स :** बुलियन म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना, जो कीमती धातुओं में निवेश करते हैं।
5. **ऑनलाइन बुलियन प्लेटफ़ॉर्म :** ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि बुलियनबाज़ार, पेटीएम गोल्ड, आदि पर निवेश करना।

चरण 3: निवेश करने से पहले ध्यान रखें

1. **जोखिम समझें :** बुलियन मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश करने से पहले जोखिम को समझें।
2. निवेश के लक्ष्य तय करें : अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना।
3. **निवेश की राशि तय करें :** अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
4. **निवेश के लिए समय तय करें :** अपने निवेश के लिए समय तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

चरण 4: निवेश करें

1. **निवेश के लिए खाता खोलें :** निवेश के लिए एक खाता खोलें, जो आपके निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **निवेश करें :** अपने निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करें।
3. **निवेश की निगरानी करें :** अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार समायोजन करें। इस सोने में निवेश को सही समय हो सकता है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

छोटे-छोटे निवेश भी बना सकते हैं करोड़पति!

बिजनेस डेस्क

- 2000, 5000 और 10000 के मंथली निवेश करें
- लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, पीछे मुड़कर न देखें

तेजी से बढ़ती महंगाई और भविष्य के अनिश्चितताओं को देखते हुए हर कोई बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहता है। अगर आप भी अपने भविष्य के लिए एक बड़ा फाइनेंशियल गोल तय करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। सिर्फ सुझावों के भरोसे न रहें। खुद शेयरों का मूल्यांकन करना सीखें। एसआईपी के जरिए नियमित रूप से छोटा-छोटा अमाउंट निवेश करके आप एक दिन करोड़पति बन सकते हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान की खूबी यह है कि आप छोटा-छोटा अमाउंट का इन्वेस्टमेंट करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपकों बताएंगे कि आप आप 2,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये की एसआईपी करते हैं और उसे हर साल 10% बढ़ाते हैं, तो 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करने में कितना समय लगेगा। इस कैलकुलेशन के लिए हम मानते हैं कि आपके निवेश पर सालाना आधार पर 12% का रिटर्न मिलेगा, जो लंबे समय के निवेश में लॉर्ज कैप म्यूचुअल फंड के जरिए भी हासिल किया जा सकता है।

2,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 2,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 27 साल में 1.05 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 29,06,399 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 75,81,135 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,04,87,533 रुपये

5,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 21 साल में 1.08 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 38,40,150 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 70,22,858 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,08,63,008 रुपये

10,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 17 साल में 1.16 करोड़ रुपयेका फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 48,65,364 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 66,98,342 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,15,63,706 रुपये

गिरावट के दौरान बंद न करें एसआईपी

जब बाजार में गिरावट आती है तो कई निवेशक घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। लेकिन वह एसआईपी जारी रखने का समय होता है, क्योंकि जब बाजार गिरता है तो कम कीमत में म्यूचुअल फंड की ज्यादा यूनिट मिलती है। लंबे समय में शेयर मार्केट हमेशा ऊपर जाता है, इसलिए गिरावट का लाभ उठाना चाहिए।

क्या है एसआईपी

एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करने का एक तरीका है। इसमें, निवेशक एक निश्चित राशि को पहले से तय समय पर निवेश करता है. यह निवेश साप्ताहिक, मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक, या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है।

एसआईपी के फ़ायदे

- बाज़ार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को नियमित रूप से बचत की आदत लगती है।
- कंपाउंडिंग व औसत लागत की शक्ति का लाभ मिलेगा।
- निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को समयबद्ध तरीके से निवेश करने में मदद मिलती है।

हेल्थ इंश्योरेंस में सम इंश्योर्ड की अहम भूमिका

जानकारी | बिजनेस डेस्क

भास्कर नेरुरकर

अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण

यह आपको बताता है कि एमरजेंसी के समय आपके पास कितना कवरेज होगा

इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है. यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा। हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है। बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी। इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति।

अब आइए सम इंश्योर्ड के महत्त्व को समझते हैं

1. पर्याप्त हेल्थकेयर कवरेज लें

अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको जरूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी ज़रूरतों को प्रभावी रूप से कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो। इस तरह, आप बहुत अधिक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो. सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

2. मन की शांति

सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है। आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं। यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेज़ी से ठीक हो पाते हैं।

3. गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज

गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है। कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो। पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

4. फैमिली कवरेज

फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपके परिवार में छोटे बच्चे और वृद्ध माता-पिता हैं, तो उन्हें अलग-अलग तरह की मेडिकल केयर की आवश्यकता पड़ सकती है। हर कोई सुरक्षित हो यह सुनिश्चित करने के लिए, हमेशा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु, स्वास्थ्य स्थितियों और मेडिकल हिस्ट्री पर विचार करें। इस तरह, आप यह आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं कि आपके परिवार को उस समय सर्वश्रेष्ठ मेडिकल केयर मिलेगी, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

5. टैक्स लाभ

उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं. सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास रु. 5 लाख के सम इंश्योर्ड की पॉलिसी है और आप रु. 15,000, का प्रीमियम देते हैं, तो आप इस राशि को अपनी टैक्स योग्य आय से घटा सकते हैं, जिससे आपके द्वारा देय कुल टैक्स कम हो जाता है। अगर आप अपने माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए भी भुगतान कर रहे हैं, तो आप अतिरिक्त कटौती का क्लेम कर सकते हैं, जिससे आपको अधिक पैसे बचाने में मदद मिलती है. इस तरह, आप समझदारी भरा फाइनेंशियल निर्णय लेने के साथ ही अपने हेल्थकेयर और इनसे जुड़े खर्चों को सुरक्षित करते हैं। अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सबसे अधिक आवश्यकता होने पर आपको फाइनेंशियल सुरक्षा और क्वालिटी हेल्थकेयर तक एक्सेस मिले. सूचित विकल्प चुनकर, आप खुद को और अपने परिवार को अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों और जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित करते हैं। सही सम इंश्योर्ड के साथ, आप लागत की चिंता किए बिना अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आखिर में, यह मन की शांति, कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज और फाइनेंशियल स्थिरता प्रदान करता है।

(लेखक हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के हेड हैं।)

वक्फ संशोधन विधेयक पर देश में हंगामा मचा हुआ है। विधेयक के दोनों सदनों में पास हो जाने के बाद से विपक्ष हायतौबा मचा रहा है, तो कई मुस्लिम संगठन सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि, वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। वक्फ संशोधन को लेकर पेश है आजकल का यह अंक...

वक्फ विधेयक बदले भारत का प्रमाण

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है। एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। इन पार्टियों ने दोनों सदनों में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है।

वक्फ संशोधन के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। दोनों सदनों में पारित होने के अगले दिन से ही उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं जाने लगीं और आप देख सकते हैं कि इस बात की होड़ लगी है कि कौन इसमें किसको पीछे छोड़ रहा है। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय में जाने की घोषणा कर दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पहले ऐलान कर चुका था। संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय किसी तरह जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है।

एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। दूसरी ओर बिहार में जदयू, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल आदि के विरुद्ध दबाव डालने की कोशिश हो रही है।

दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति

मुसलमानों का एक बड़ा समूह सड़कों पर उतर रहा है, पार्टियों में दबाव डालकर कुछ इस्तीफा करवा रहा है और बयान दे रहा है कि चुनाव में सबक सिखा देंगे। संसद में बहस और मतदान के पूर्व नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू आदि के इफ्तार के बहिष्कार का भी आह्वान किया गया। यह भी दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति थी। बावजूद इन पार्टियों ने दोनों सदनों में खुलकर वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया और उसके पक्ष में विपक्ष के आरोपों का आक्रामक खंडन करते हुए तथ्य और तर्क प्रस्तुत किया। हमारे सामने दो दृश्य दूसरे भी हैं। लोकसभा में बहस के पूर्व सभी पार्टियों ने ह्वीप जारी कर दिया था। किंतु राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट घोषणा की कि हमारे सांसद स्वतंत्र हैं, ह्वीप नहीं है, वे जैसे चाहें मतदान करें। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संख्या बल से ज्यादा मत विधेयक के समर्थन में प्राप्त हुए। आखिर इसके कोई निहितार्थ है या नहीं? इसके साथ हमने यह भी देखा कि दोनों सदनों में बहस और मतदान के दौरान देश में समर्थन और विरोध दोनों में मुसलमान उतरे। निष्पक्ष आकलन यही है कि उन दो दिनों में समर्थकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी। कई जगह तो विरोध करने वालों से ज्यादा समर्थक सड़क पर थे। अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने खुलकर विधेयक का समर्थन किया। इनमें वे मुस्लिम मजहबी नेता और संस्थाओं के प्रमुख शामिल थे जो पहले वक्फ में किसी प्रकार के संशोधन का घोर विरोध करते थे, तो इसके भी मायने हैं। तो यही बदले हुए भारत का प्रमाण है। यानी आप न्याय करने की दिशा में संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं तो भ्रम और विरोध कमजोर होते-होते समर्थन बढ़ता है। वास्तव में अभी जो विरोध दिख रहा है वह बिल्कुल अनपेक्षित नहीं है। जब भी आप ऐसे विषयों पर सुधार और परिवर्तन के संवैधानिक कानूनी कदम उठाते हैं तो भारत जैसे देश में इसके विरुद्ध प्रचार और रोकने की कोशिश पहली बार नहीं है। वक्फ कानून, उससे संबंधित बोर्ड और न्यायाधिकरण को मुस्लिम वोट पाने की नीति के तहत जिस तरह सुपर सरकार, सुपर प्रशासन और सुपर न्यायपालिका की भूमिका दे दी गई थी, उस ढांचे में लाभान्वित सम्मानित होने वाले तथा उसका आनंद सुख भोगने वालों के अंदर छटपटाहट स्वाभाविक है।

वक्फ कानून में संशोधन क्यों जरूरी था

सच यह है कि वक्फ कानून में संशोधन क्यों नहीं होना चाहिए था या संशोधन में क्या असंवैधानिक, इस्लाम विरोधी, मुस्लिम विरोधी है, इसका कोई एक तथात्मक उत्तर विपक्ष के किसी भी नेता द्वारा संसद में नहीं मिला। जब राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह कानून उच्चतम न्यायालय में समाप्त हो जाएगा तो सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सदन के अंदर इस प्रकार की भाषा संसद का अपमान है। इसी तरह जब एक सदस्य ने कहा कि मुसलमान इस कानून को नहीं मानेगा, तब केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है, सबको मानना पड़ेगा। वास्तव में संसद अगर प्रक्रिया के तहत कोई कानून पारित करती है तो यह भारत के सभी क्षेत्रों और व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होता है। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने लोकसभा में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को बहुमत के द्वारा संविधान का अतिक्रमण और लोकतंत्र के गला घोंटने के समान बता दिया। यह समझ से परे है। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिकॉर्ड रखते हुए बताया कि संप्रग सरकार ने 2013 में सिर्फ चार घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन विधेयक पास कर दिया था, जबकि इस बार दोनों सदनों में करीब 27 घंटे से ज्यादा का समय लगा। 3 अप्रैल को 11 बजे से आरंभ राज्यसभा की कार्यवाही अगले दिन सुबह 4 बजे तक चली। संयुक्त संसदीय समिति ने 113 घंटे की चर्चा, 25 वक्फ बोर्डों से संवाद, 15 राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद, विभिन्न समुदायों के राज्य धारकों के कुल 284 प्रतिनिधिमंडलों ने समिति के समक्ष अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए एवं 92 लाख से ज्यादा सुझाव पर विचार के बाद विधेयक तैयार हुआ। जरा सोचिए, यह प्रक्रिया लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला हो गया और संप्रग के चार घंटे में पारित कानून लोकतंत्र और संविधान का पालन करने वाला था?

वक्फ संपत्तियों का दावा बेमानी

पुराने वक्फ कानून और उसके ढांचे पर इतना कुछ कहा जा चुका है कि उसको दोहराने की आवश्यकता नहीं। वक्फ ने जिस तरह पूरे देश में संपत्तियों का दावा कर उन्हें कब्जे में लिया, उसकी बहुत सारी कथाएं रिकॉर्ड में सामने हैं। यह कैसी संवैधानिक व्यवस्था थी जिसमें वक्फ किसी संपत्ति पर दावा कर दे तो वक्फ ट्रिब्यूनल के अलावा आप कहीं नहीं जा सकते। वहां भी संपत्ति आपकी है, यह आपको ही साबित करना होगा। ट्रिब्यूनल बरसों लगा देगा और उसके फैसले को आप सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकते। यानी आपकी संपत्ति गई। इसमें हिंदू और मुसलमान दोनों के साथ सार्वजनिक सरकारी संपत्तियां भी शामिल हैं।

दूसरे की संपत्ति पर दावा कैसे संभव है

गृह मंत्री ने सदन में रिकॉर्ड पर कहा कि कोई गांव या शहर से बाहर नौकरी करने चला गया और उसकी संपत्ति वक्फ कर दी गई। वह जितना भी छटपटाये, वापसी के रास्ते नहीं। वक्फ एक अरबी शब्द है। इस्लाम किसी को दीन और बेसहारा के लिए अपनी संपत्ति के वक्फ करने की इजाजत देता है। इस पर न रोक है, न हो सकती है। वक्फ में कोई बदलाव नहीं है। किंतु हम अपनी संपत्ति वक्फ में रजिस्ट्री करा सकते हैं, दूसरे की संपत्ति पर कैसे दावा कर सकते हैं? फिर सरकार कैसे संपत्ति वक्फ कर सकती है। आप देखेंगे कि यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद सच्चर आयोग की नियुक्ति और उसकी रिपोर्ट के बाद पूरे देश में अलग से इस्लामी ढांचा स्थापित करने की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक संपत्ति वक्फ बोर्डों को दे दी। निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय में सारे मामले जाएंगे।

हमारी आपकी या किसी मंदिर की जमीनों के कागजात, राजस्व आदि का विषय तो जिला कलेक्टर के अधीन होगा किंतु वक्फ का नहीं हो यह कैसे कानून का पालन माना जाएगा? आज भी यही मांग है। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन भारत के संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। उसे हमारे संविधान और कानून के अंतर्गत ही काम करना होगा। बोर्ड में महिला सदस्य होने की अनिवार्यता के विरोध के पीछे वही सोच है जिसके तहत तीन तलाक मामले पर पर्सनल लॉ बोर्ड में उच्चतम न्यायालय में दायर शपथ पत्र में महिलाओं को कम अक्ल वाला लिखा था। कोई संपत्ति जिस उद्देश्य के लिए दान हुई है वह उसी उद्देश्य में जा रहा है या नहीं तथा वाकई वक्फकर्ता स्वेच्छा से ऐसा किया है या दबाव डालकर कराया गया, इसकी देखरेख की जिम्मेवारी तो प्रशासन की ही है। जिस संस्था में लगभग 41 हजार विवाद हों और उनमें 10 हजार मुसलमानों द्वारा किए गए हो, उस ढांचे को कायम नहीं रखा जा सकता था।

विधेयक ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम

वास्तव में वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ की संपत्ति का उपयोग करने वाले मस्जिदों और मजारशरीफों का नियंत्रण करते हैं जबकि ऐसे लोगों में से कुछ बाहर भीख मांगते हैं। अब इस दौर का अंत होगा तथा गरीब, वंचित, पसमांदा , महिलाएं सब इस्लाम की धारणा के अनुसार वक्फ के सही उपयोग में भूमिका निभा सकेंगे। वक्फ ने पुराने मामलों के संदर्भ में बदलाव नहीं किया है लेकिन जिन पर विवाद है वे कायम रहेंगे। रिकॉर्ड में और ऑनलाइन आते ही सब कुछ पारदर्शी होगा। वक्फ के नाम पर हुए अन्याय के निराकरण का रास्ता प्रशस्त होगा और पीड़ितों को न्याय प्राप्त होने की ठोस संभावना बनेगी। ऐसे मामलों का सच देश के सामने होगा और इस समय इस्लाम के नाम पर हंगामा खड़ा करने वालों के चेहरे भी बेनकाब होंगे। दोनों सदनों में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रखे गए तथ्य, विचार और तेवर की गंभीरता को देखते हुए किसी को मुगालता नहीं होना चाहिए कि इस कानून का उल्लंघन करने का कोई साहस करेगा। यद्यपि भूमि या ऐसे मामले राज्यों के विषय हैं तो अलग-अलग राज्यों का तंत्र सरकारों की राजनीतिक नीति के अनुसार काम करेगा और इनमें समस्याएं आएंगी। किंतु कोई वक्फ के दावों के विरुद्ध किसी पीड़ित व्यक्ति को न्यायालय जाने से नहीं रोक सकता। सिविल न्यायालय में व्यक्ति की सही पहचान और कानून के अनुसार ही फैसला होगा।

मुस्लिम समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम

वक्फ विधेयक
प्रो. निरंजन कुमार
सीनियर प्रोफेसर, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

वक्फ संशोधन विधेयक, जो हाल ही में संसद में पारित किया गया, आम भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ सम्पत्तियों के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, जिससे आम मुस्लिम आदमी और पूरे समाज को सीधे लाभ हो सके। निश्चित रूप से यह विधेयक वक्फ सम्पत्तियों के दुरुपयोग और इनके प्रबंधन में सुधार के लिए एक सार्थक और दूरगामी प्रयास है, जो न केवल गरीब मुसलमानों के लिए, बल्कि पूरे देश के हित में भी है। दुर्भाग्य से पिछले कई दिनों से वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर आम मुस्लिम समुदाय के बीच एक नकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है।

वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसका अर्थ है किसी संपत्ति को अल्लाह के नाम पर स्थायी रूप से दान करना। इस संपत्ति का उपयोग विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है- जैसे मस्जिदों की देखरेख, गरीबों की मदद, शिक्षा और चिकित्सा आदि सुविधाओं के लिए। लेकिन ऑडिट और पारदर्शिता के अभाव में वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग होता रहा है। वक्फ बोर्ड के अधिकारी और मुस्लिम समुदाय के कुछ स्वयंभू नेता इन सम्पत्तियों का अनैतिक और अनुचित इस्तेमाल करते रहे हैं। इस दुरुपयोग के कारण वक्फ की भावना के विपरीत आम मुस्लिमों को वह लाभ नहीं मिल पाता, जो वक्फ का उद्देश्य है। वर्तमान में वक्फ सम्पत्तियों का प्रशासन और प्रबंधन वक्फ बोर्ड के द्वारा किया जाता है. लेकिन यह बोर्ड अक्सर पारदर्शी नहीं होता, और भ्रष्टाचार की खबरें आती रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, जो धन और संसाधन धार्मिक और समाजसेवी कार्यों के लिए होना चाहिए था, वह गलत हाथों में चला जाता है। भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या को देखें तो यह बहुत अधिक है। हालिया सर्वेक्षण के अनुसार वक्फ संपत्तियों की संख्या 8.72 लाख से अभी अधिक है। यहां प्रश्न उठता है कि क्या वास्तव में इस्लाम की इस उदात्त अवधारणा के अनुसार ही वक्फ सम्पत्तियों का उपयोग सामाजिक कल्याण हेतु हो पा रहा है? क्या आम मुस्लिम समुदाय के लोगों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मौजूदा व्यवस्था के तहत कोई लाभ मिल रहा है? वास्तव में इन प्रश्नों का उत्तर न में ही है। संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक पर लंबी चर्चाओं के बाद इस विधेयक को समर्थन भी मिल गया किन्तु देशभर में एक खास तरह का माहौल इस विधेयक के खिलाफ बनाया जा रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ राजनीतिक दल और मुस्लिम नेताओं ने इसे मुस्लिम समुदाय के खिलाफ एक साजिश बताया, लेकिन यदि गहराई से पड़ताल करें तो यह बात तथ्यात्मक रूप से गलत है।

समाज में भ्रम फैला रहे कुछ लोग

वास्तव में, यह विधेयक तो व्यापक मुस्लिम समुदाय को उनके अधिकारों और सम्पत्तियों का सही लाभ दिलाने के लिए है। याद कीजिए, नागरिकता संशोधन कानून और तीन तलाक से सम्बंधित कानून के मामलों को। राजनीतिक स्वार्थ के कारण विभिन्न नेताओं ने इन दोनों

कानूनों का विरोध किया और समाज में भ्रम फैलाया। नागरिकता कानून के समय मुसलमानों के मन में यह भय बिठाया गया कि इस कानून से उनकी नागरिकता छिन जाएगी। जबकि वास्तव में यह कानून कुछ पड़ोसी देशों के पीड़ित लोगों को नागरिकता देने के लिए था। भारत के नागरिकों पर इसका कोई नकारात्मक परिणाम नहीं पड़ना था। उसी तरह तीन तलाक कानून के समय भी तथाकथित सेक्युलर दलों और मठाधीश नेताओं ने इसका खूब विरोध किया जबकि वास्तव में यह कानून मुस्लिम महिलाओं के हक में, उन्हें शोषण से मुक्त करने के लिए था।

ठीक उसी प्रकार वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वर्तमान वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के स्वयम्भू नेताओं के लिए निश्चित रूप से एक झटका है क्योंकि इस कानून के लागू होते ही वक्फ़ सम्पत्ति पर इनके अनैतिक स्वामित्व पर चोट पड़ेगी और वक्फ़ की आड़ में हुए भ्रष्टाचार की कलई लोगों के समक्ष आ जाएगी। पूर्व के प्रावधानों में इस तरह विसंगतियां हैं कि सरेआम दुरुपयोग किये जाने पर भी राहत की कोई गुंजाइश नहीं है। अनेक ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जिनमें व्यक्तिगत संपत्ति से लेकर सरकारी जमीन के साथ-साथ मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्च या बौद्ध विहारों तक की संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड कब्जा करता रहा है। प्रयागराज में हजारों सालों से मनाए जा रहे कुंभमेला की जमीन पर दावा ठोंकने का उदाहरण हो, या केरल के एर्नाकुलम जिले में मुनंबम और चेराई क्षेत्रों में 404 एकड़ की ईसाई और चर्च संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड के दावे की बात हो, देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस तरह के विवाद होते रहे हैं। खतरनाक बात यह थी कि वक्फ के अनुचित दावे को न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी जा सकती थी, जो कि संविधान की भावनाओं का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन था। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र या जनहित में जब कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के किसी भी क्रिया-कलाप तक पर प्रश्न किये जा सकते हैं। ऐसे में वक्फ जमीन पर प्रश्न ही न कर पाना वास्तव में मौजूदा प्रावधान की सबसे बड़ी खामी रही है।

किसी की सम्पति पर दावा गलत

इसका दुरुपयोग कर किसी भी जमीन पर दावा ठोंकना हो या वक्फ संपत्ति का कुछ गिने चुने लोगों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु उपयोग किया जाना हो, ऐसी घटनाएं मीडिया में आती रहती हैं। यह न सिर्फ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है बल्कि उस व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार का भी हनन है जिसकी सम्पति पर वक्फ का दावा ठोंक दिया गया हो। याद रहे कि राजद नेता लालू यादव ने भी एक समय अवैध वक्फ दावों पर चिंता जताई थी। प्रश्न उठाया जा सकता है कि भारत जैसे पंथनिरपेक्ष राष्ट्र में वक्फ़ बोर्ड या वक्फ़ जैसी सम्पत्तियों का प्रविधान है, जबकि विभिन्न इस्लामिक देशों में वक्फ़ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। कई देशों में वक्फ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। फिर भी यदि भारत में वक्फ़ सम्पत्ति का प्रावधान कर ही दिया गया है, तो इन सम्पत्तियों का प्रयोग सामाजिक कल्याण में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए यदि कानून में कोई संशोधन हो तो निश्चित रूप से इसका स्वागत करना चाहिए। यह संतोषजनक है कि आल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना या पसमांदा मुसलमान से लेकर सिख, ईसाई एवं बौद्ध समाज के लोगों ने इस विधेयक का स्वागत किया है। यह विधेयक न केवल वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में सुधार करेगा, बल्कि आम मुसलमानों के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों को उनके अधिकार दिलाएगा। संकीर्ण स्वार्थों के लिए इसका विरोध आम जनहित में तो नहीं ही है, विरोध कर रहे उन राजनेताओं के हित में भी नहीं है क्योंकि पब्लिक सब जानती है।

वक्फ एक्ट में संशोधन पर घमासान क्यों

दो टूक
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

देशभर में वक्फ को लेकर इस समय खासी चर्चा है। तमाम विरोध के बावजूद वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया है। सत्ता पक्ष जहां इस विधेयक के फायदे गिना रहे हैं, वहीं विपक्ष वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान विरोधी बता रहा है। कांग्रेस ने तो यहां तक कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। हालांकि, मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों ने इस विधेयक का स्वागत भी किया है। उनका मानना है कि यह वक्फ संपत्तियों की लूट को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद करेगा।

पारदर्शिता लाना मुख्य मकसद

मालूम हो, सरकार वक्फ बोर्ड के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक लेकर आई है। यह वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्ति को कम करने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को हटाने का प्रयास करता है, जो वर्तमान में उन्हें आवश्यक जांच के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता है। साथ ही, इस बिल का मकसद वक्फ बोर्ड्स के काम करने के तरीके में पारदर्शिता, जवाबदेही लाना और इन निकायों में महिलाओं की अनिवार्य रूप से भागीदारी को यकीनी बनाना है। सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों,टाइटल विवादों और वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे के विनियमन से संबंधित खामियां हैं। सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों में वक्फ बोर्डों के गठन में सीमित विविधता, मुतवल्लियों द्वारा शक्ति का दुरुपयोग, स्थानीय राजस्व अधिकारियों के साथ प्रभावी कोर्डिनेशन की कमी और वक्फ बोर्ड को संपत्तियों पर दावा करने के लिए व्यापक शक्ति देना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप विवाद और मुकदमेबाजी होती है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को बढ़ाना, टेक्नोलॉजी से संचालित मैनेजमेंट को शामिल करना, मौजूदा जटिलताओं को दूर करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। माना जा रहा है कि एनडीए के सहयोगी दलों टीडीपी और जेडीयू के सुझावों के साथ ही जेपीसी में हुए विचार विमर्श से निकले सुझावों के चलते वक्फ संशोधन विधेयक में कई अहम परिवर्तन किए गए। लेकिन सरकार ने अपने मूल विचारों को शामिल करने में कोई समझौता नहीं किया है। दूसरी तरफ बिल के आलोचकों को मुख्य रूप से इस बात की चिंता है कि यह सरकार को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करने और यह निर्धारित करने की अनुमति देता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। इसका उद्देश्य वक्फ शासन की नींव को कमजोर करना और मुसलमानों के अधिकारों को कम करना है। जो लोग इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे सवाल उठा रहे हैं कि ऐसा नया कानून क्यों लाया जा रहा है,जो वक्फ के प्रबंधन के तरीके को बदल रहा है। आलोचकों के बीच मुख्य चिंता यह है कि सरकार वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करके उन पर कंट्रोल हासिल करना चाहती है

और नए विधेयक के माध्यम से उसे यह निर्धारित करने का अधिकार मिल गया है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। वक्फ ऐसी संपत्तियों को संदर्भित करता है जो विशेष रूप से मुस्लिम धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए समर्पित की जाती हैं। इस संपत्ति को बेचना या अन्य किसी उपयोग में लाना प्रतिबंधित होता है। इसका स्वामित्व 'अल्लाह' को सौंपा जाता है जिसका अर्थ है कि इसे दान करने वाला व्यक्ति इसे वापस नहीं ले सकता। भारत में वक्फ की परंपरा 12वीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत के दौरान शुरू हुई थी। मोहम्मद गौरी ने मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में समर्पित किया था। समय के साथ वक्फ संपत्तियों की संख्या बढ़ती गई।

1954 में वक्फ बोर्ड का गठन

भारत में 1913 में एक नया कानून पारित कर वक्फ को वैध बना दिया गया। 1954 में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ। हालांकि, 1995 के संशोधन से वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां मिलीं। पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने वक्फ एक्ट 1954 में संशोधन किया और नए-नए प्रावधान जोड़कर वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दीं। वक्फ एक्ट 1995 का सेक्शन 3 (आर) के मुताबिक, अगर कोई संपत्ति, किसी भी उद्देश्य के लिए मुस्लिम कानून के मुताबिक पाक (पवित्र), मजहबी (धार्मिक) या (चेरिटेबल) परोपकारी मान लिया जाए तो वह वक्फ की संपत्ति हो जाएगी। वक्फ एक्ट 1995 का आर्टिकल 40 कहता है कि यह जमीन किसकी है, यह वक्फ का सर्वेयर और वक्फ बोर्ड तय करेगा। बाद में वर्ष 2013 में संशोधन पेश किए गए, जिससे वक्फ को इससे संबंधित मामलों में असीमित और पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त हुई। अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गई तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। वक्फ एक्ट का सेक्शन 85 कहता है कि ट्राइब्यूनल के फैसले को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

अधिनियम में बदलाव जरूरी

भारत में कई संपत्तियां वक्फ के अंतर्गत आती हैं, जिनमें मस्जिद, ईदगाह, दरगाह, खानकाह, इमामबाड़े और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ संपत्तियां इस्लाम को मानने वाले लोग दान करते हैं और इन्हें समुदाय के सदस्य ही मैनेज करते हैं। प्रत्येक राज्य में एक वक्फ बोर्ड होता है,जो एक कानूनी इकाई है जो संपत्ति का अधिग्रहण,धारण और हस्तांतरण कर सकती है। वक्फ संपत्तियों को स्थायी रूप से बेचा या पट्टे पर नहीं दिया जा सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वक्फ बोर्ड वर्तमान में भारत भर में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करता है, जिसका अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। बता दें, वक्फ़ को बनाने वाले को वाकिफ़ कहा जाता है, जिसका प्रबंधन प्रशासक यानी मुतवल्ली प्रबंधन करता है। वक्फ़ की संपत्ति को स्थायी तौर पर लीज पर नहीं दिया जा सकता, ना ही बेचा जा सकता है। बहरहाल, वक्फ को लेकर लोगों के अलग-अलग दावे होते रहते हैं। जिसके बाद सरकार के लिए ये बड़ी चुनौती हो जाती है कि वो लोगों को कैसे भरोसा दिलाए कि वो जो दलील दे रही है वो सही है।इसके बाद कई विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार इस पर नियंत्रण करना चाहती है। सरकार ने इसमें कई बदलाव की बात कही है। बहरहाल, वक्फ संशोधन विधेयक भारत में धार्मिक संपत्तियों से जुड़े कानूनों में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद किस तरह लागू किया जाता है और इसका अल्पसंख्यकों, सरकार और समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है।

4.5 अरब साल पहले कैसी थी पृथ्वी की सतह? कांपती धरती ने खोले गहरे राज

वैज्ञानिकों ने एक नए शोध में पृथ्वी की 4.5 अरब साल पुरानी सतह के रासायनिक रहस्यों को उजागर किया है। स्टडी में पाया गया कि पृथ्वी की शुरुआती सतह में वही रासायनिक विशेषताएं थीं, जो आज के महाद्वीपीय क्रस्ट में देखी जाती हैं। इससे पता चलता है कि यह रासायनिक पहचान पृथ्वी के बनने के समय से ही मौजूद थी, न कि प्लेट टेक्टॉनिक्स की शुरुआत के बाद.

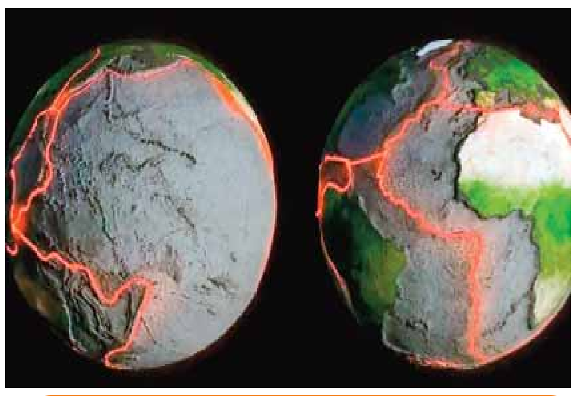

क्यों महत्वपूर्ण है ये रिसर्च?

इस खोज के महत्वपूर्ण नतीजे हो सकते हैं। इसका मतलब यह है कि वैज्ञानिकों द्वारा पहले माना गया यह विचार गलत हो सकता है कि जब प्लेट विवर्तनिकी शुरू हुई, तभी महाद्वीपीय क्रस्ट ने अपनी अनूठी रासायनिक पहचान विकसित की। इसके विपरीत, इस अध्ययन से यह संकेत मिलता है कि यह रासायनिक पहचान शुरुआत से ही थी और समय के साथ यह बार-बार पुनर्चक्रित होकर द्वीपीय चापों में समाहित होती गई। इसलिए, वैज्ञानिकों को प्लेट विवर्तनिकी की शुरुआत का पता लगाने के लिए अब किसी अन्य संकेतक की तलाश करनी होगी।

लंदन। पृथ्वी एकमात्र ऐसा ग्रह है जहां प्लेट प्लेट टेक्टोनिक्स मौजूद है। यह प्रक्रिया महाद्वीपों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और माना जाता है कि जीवन की उत्पत्ति में भी सहायक रही होगी। लेकिन, एक बड़ा वैज्ञानिक सवाल अब भी बना हुआ है कि पृथ्वी पर प्लेट टेक्टोनिक्स की शुरुआत कब हुई? इस सवाल का जवाब खोजने के लिए वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की 4.5 अरब साल पुरानी सतह की स्टडी किया है।

इस नई रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इस रहस्य को सुलझाने के लिए पृथ्वी के शुरुआती मेंटल और उस समय के रासायनिक तत्वों के व्यवहार का विश्लेषण किया। इस अध्ययन को प्रतिष्ठित जर्नल नेचर में प्रकाशित किया गया है।

क्या बता रहे रिसर्चर्स?

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, कर्टिन विश्वविद्यालय, क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और यूनिवर्सिटी ऑफ लियोन के शोधकर्ताओं की टीम ने गणितीय मॉडलिंग का इस्तेमाल करके यह जानने की कोशिश की कि जब पृथ्वी का कोर बन रहा था और सतह पिघले हुए लावा से ढकी थी, तब उसमें क्या रासायनिक प्रक्रियाएं चल रही थीं।

प्रारंभिक सतह, जिसे प्रोटोक्रस्ट कहा जाता है

रिसर्चर्स के अनुसार, पृथ्वी की सबसे प्रारंभिक सतह, जिसे प्रोटोक्रस्ट कहा जाता है, उसमें वही रासायनिक विशेषताएं पाई गईं, जो आज के महाद्वीपीय सतह में देखी जाती हैं। उदाहरण के लिए, नियोबियम तत्व पिघलकर पृथ्वी के कोर में चला गया, जबकि रेयर अर्थ एलिमेंट्स सतह पर मौजूद मैग्मा के साथ ऊपर आ गए और ठंडा होकर क्रस्ट बनाने लगे। इससे पता चलता है कि जिस रासायनिक पहचान को वैज्ञानिक अब तक प्लेट विवर्तनिकी की शुरुआत का संकेत मानते थे, वह दरअसल पृथ्वी के बनने के समय से ही मौजूद थी।

रोचक खबरें

कुत्ते-बकरी की लड़ाई में आमने-सामने मरोझियां गांव के लोग

रोहतास। रोहतास जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के मरोझियां गांव में एक मामूली घटना ने बड़ा और खतरनाक रूप ले लिया। विवाद की शुरुआत एक पालतू कुत्ते और बकरी की झड़प से हुई। बताया जा रहा है कि कुत्ते ने बकरी को काट लिया। इसके जवाब में बकरी के मालिक ने गुस्से में आकर कुत्ते की पिटाई कर दी। यहीं से मामला बिगड़ गया। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, और बात हाथापाई और पत्थरबाज़ी तक पहुंच गई।

दोनों तरफ से लोग घायल : स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि दोनों तरफ से लोग घायल हो गए।किसी का सिर फटा तो किसी को गहरी चोटें आईं। गांव में अफरातफरी मच गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और भारी संख्या में पुलिस बल के साथ एसपी, एसडीएम, एसडीपीओ, थानाध्यक्ष सहित कई अधिकारी गांव पहुंचे।

फिलहाल नियंत्रण में है गांव की स्थिति

एसपी रौशन कुमार ने जानकारी दी कि फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियातन पुलिस की तैनाती रामनवमी तक की गई है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना दोबारा न हो।गांव में पुलिस कैंप कर रही है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

रामनवमी के बाद गांव के दोनों पक्षों की बैठक

एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि रामनवमी के बाद गांव के दोनों पक्षों को बुलाकर बैठक की जाएगी, ताकि स्थायी शांति बहाली का रास्ता निकाला जा सके। अधिकारियों का मानना है कि अब समय आ गया है कि गांववाले अपने अंदर की हिंसा को त्याग कर आपसी मेल-जोल और समझदारी से समस्याएं सुलझाएं।

जंगल में मिले रहस्यमयी निशान, लोग कहते हैं - ये पांडवों के खेल के चिन्ह हैं

केरी। गोवा के कणकोण इलाके के मारली गांव में कुछ लोगों को दो बड़े पत्थरों पर अजीब गोल निशान मिले हैं। ये निशान गलगिबागा नदी की एक सहायक धारा के पास, बेतालकाडलो व्हाल नाम की एक छोटी नाली में मिले। मारली, पोईगिनिम गांव का एक छोटा हिस्सा है और इसका जंगल कर्नाटक के करवार जिले के मैनगिनी जंगल से जुड़ता है। ये दोनों पत्थर मैनगिनी जंगल में पाए गए। एक पत्थर पर 45 गोल निशान हैं और दूसरे पर 21।

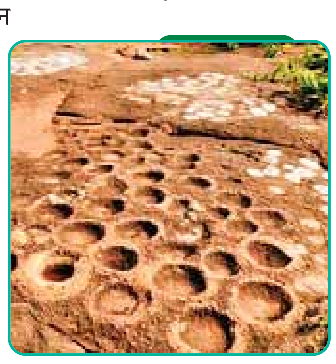

15 साल की उम्र से गोल निशानों को देखता आ रहा हूं : स्थानीय आदिवासी 76 साल के नारायण पुनो गावंकर ने कहा, 'मैं 15 साल की उम्र से इन गोल निशानों को देखता आ रहा हूं। हमारे बुजुर्ग इन्हें 'गुल्यो'कहते थे।उनका मानना था कि जब पांडव इस जंगल में आए थे, तो उन्होंने खेल खेलने के लिए ये निशान बनाए थे।' सोमनाथ गावंकर, जो इस खोज में शामिल थे, ने बताया, 'स्थानीय मान्यता है कि यहां पहले बेताल की एक पत्थर की मूर्ति थी, इसलिए इस जगह को बेतालकाडलो व्हाल कहा गया। हालांकि, अब वो मूर्ति कहीं नहीं मिलती। लेकिन , जंगल को आज भी लोग सुरक्षित रखते हैं।'

ब्लैक होल का जन्म कैसे हुआ? पहली बार बेनकाब हुआ अतीत

नई दिल्ली। ब्रह्मांड के सबसे रहस्यमय पिंडों में से एक, ब्लैक होल के जन्म का राज अब वैज्ञानिकों ने सुलझा लिया है। एक नई स्टडी में, वैज्ञानिकों ने जीआरओ जे1655-40 नामक बाइनरी सिस्टम (यहां एक ब्लैक होल और एक तारा साथ मौजूद हैं) की जांच करके पता लगाया कि ब्लैक होल कैसे बनते हैं। एडवांस्ड स्पेस ऑब्जर्वेटरी के डेटा का यूज करते हुए उन्हें यह भी पता चला कि ब्लैक होल के पूर्वज तारों का क्या हुआ। चंद्रा एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी से प्राप्त स्पेक्ट्रल डेटा ने रिसर्चर्स को सिस्टम में मौजूद 18 केमिकल एलिमेंट्स की पहचान करने में मदद की, जिससे उन्होंने ब्लैक होल के पूर्वज तारे के बारे में नई जानकारी हासिल की।

क्या है जीआरओ जेJ1655-40?

यह एक बाइनरी सिस्टम है, जिसमें 7 सूर्यों के बराबर द्रव्यमान वाला एक ब्लैक होल और 3 सूर्यों के बराबर द्रव्यमान वाला एक साथी तारा मौजूद है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह सिस्टम कभी दो तारों से बना था, लेकिन बड़े तारे ने सुपरनोवा विस्फोट करके ब्लैक होल का रूप ले लिया। अब यहां ब्लैक होल, उसका साथी तारा और विस्फोट के बचे हुए अवशेष मौजूद हैं। चंद्रा एक्स-रे वेधशाला के 2005 के डेटा का उपयोग करके शोधकर्ताओं ने इस सिस्टम में मौजूद 18 तत्वों (आयरन, सिलिकॉन, सल्फर आदि) की पहचान की. इन तत्वों के अनुपात से वैज्ञानिकों ने ब्लैक होल के पूर्वज तारे के बारे में जानकारी जुटाई। पता चला कि यह तारा सूरज से 25 गुना बड़ा था और इसने अपना अधिकांश द्रव्यमान सुपरनोवा विस्फोट और स्टेलर विंड्स (तारकीय हवाओं) के जरिए अंतरिक्ष में उड़ेल दिया।

इंसान छोड़िये, जानवर भी नहीं देता दिखाई!

यूपी का अनोखा गांव, रामनवमी से पहले हो जाता है खाली

एजेंसी ▶▶| कुशीनगर

कुशीनगर के एक गांव में हिंदू-मुस्लिम मिलकर एक अनोखी परंपरा निभाते आ रहे हैं। जहां चैत्र नवरात्रि के रामनवमी से एक दिन पहले पूरे गांव के लोग अपना घर बार छोड़कर बैरागी हो जाते हैं। एक दिन के लिए पूरा गांव खाली हो जाता है। यहां न कोई गांव का पानी पीता है और न कोई गांव का भोजन करता है।

गांव का क्या नाम?

कुशीनगर का यह गांव है चंदन बरवा, जो नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र में पड़ता है। इस गांव की मान्यता है कि चैत्र नवरात्रि में एक दिन के लिए यहां के रहने वाले ग्रामीण वनवासी हो जाते हैं। गांव के लोग एक दिन के लिए बैरागी की तरह गुजर बसर करते हैं। हिन्दू मुस्लिम कई सालों से चली आ रही परंपरा को मिलकर निभा रहे हैं। गांव में हिंदू-मुस्लिम समुदाय के करीब 150 परिवार रहते हैं।

क्या है मान्यता?

बता दें कि ग्रामीण बताते हैं कि सैकड़ों साल पहले गांव में महामारी का प्रकोप फैला था, जिससे कई लोगों की जानें चली गई थीं। गांव के लोग बहुत परेशान थे और इलाज का कोई असर नहीं हो रहा था। इसी बीच गांव में एक महात्मा भिक्षा मांगने के लिए आए। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इसे दैवीय श्राप बताया। उन्होंने उपाय सुझाया कि गांव के लोगों को चैत्र नवरात्रि में एक दिन गांव से बाहर रहना पड़ेगा।

गांव हो जाता है खाली?

ग्रामीण इस पर राजी हो गए। नवरात्र के छठवीं तिथि को ग्रामीण भिक्षाटन करते हैं और सातवीं तिथि को गांव से बाहर दूसरे गांव में एक दिन बगीचे व खेतों में टेंट लगाकर भोर में ही गांव छोड़कर वनवासी जीवन गुजारते हैं। घर में चाहें कोई बीमार हो या एक दिन की आई नवविवाहिता हो. सभी को घर से बाहर दिन गुजरना होता है।

कहीं नहीं दिखेगी ऐसी अनोखी परंपरा

इतना ही नही गांव के पशुओं को भी लेकर आने साथ चले जाते हैं। सभी लोग दिन में सतुआ भुजा खाते हैं और रात में भोजन बनाते हैं। भिक्षाटन में मिले अनाज और पैसे से अगरबत्ती कपूर जलाकर प्रार्थना करते हैं। गांव में हिन्दू व मुस्लिम दोनों समुदाय का परिवार रहता है और दोनों समुदाय के लोग इस परम्परा को आस्था मानकर निभाते हैं। गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल देने वाले इस गांव की यह अनोखी कहानी शायद ही कही देखने को मिले।

न चांदी, न सोना, बादाम से बना राम मंदिर! दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

राजकोट। गुजरात के राजकोट के लोग हमेशा कुछ नया करने में विश्वास रखते हैं, चाहे कोई भी अवसर हो। राजकोट के लोग हर त्योहार को अनोखे अंदाज में मनाते हैं। रामनवमी का त्योहार नजदीक आ रहा है, और इस मौके पर राजकोट के एक डेयरी व्यापारी ने बादाम से अनोखा राम मंदिर बनाया है। इस मंदिर को उन्होंने अपनी दुकान में रखा है।

अनोखा और दिव्य मंदिर बना : दरअसल, राजकोट के रैन बाजार में गायत्री डेयरी के किशोरभाई साकरिया और तेजभाई साकरिया ने यह अनोखा और दिव्य मंदिर बनाया है। इसकी नक़्क़ाशी अयोध्या के राम मंदिर जैसी ही है। इसमें राम-सीता, लक्ष्मण और हनुमान की मूर्तियाँ भी रखी गई हैं। यह मंदिर भक्तों के लिए खुला रखा गया है और लोग दूर-दूर से इसके दर्शन करने आ रहे हैं।

रामनवमी के बाद इस कृति को भेंट किया जाएगा

बता दें कि गायत्री डेयरी के मालिक तेजभाई साकरिया ने बताया, 'राम नवमी के त्योहार पर हमें कुछ नया करना था। इसलिए हमने सोचा कि हम बादाम से भगवान श्रीराम का एक मंदिर बनाएं। इसके लिए हमने अच्छी क्वालिटी के बादाम लिए, उन्हें रोस्ट करके यह मंदिर बनाया है, जिसका वजन 32 किलो है। रामनवमी तक यह मंदिर दर्शन के लिए रखा जाएगा। राम नवमी के बाद इसे शहर के किसी बड़े राम मंदिर में भेंट स्वरूप दे दिया जाएगा।'

एलियंस और रूसी सैनिकों के बीच जंग! कौन मरा कौन बचा? सीआईए की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी ▶▶| मास्को

एलियंस वाकई में होते हैं या ये कोई कल्पना है। जिस पर दशकों से टीवी सीरियल्स के साथ साइंस और फिक्शन मूवीज बन रही हैं। फिल्म निर्माताओं के दावे से इतर अमेरिकी खुफिया एजेंसी के एक लीक हुए दस्तावेज से बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। इस दस्तावेज के मुताबिक एलियंस और सोवियत रूस की फौज के बीच जंग हुई थी, जिसका अंत बेहद खौफनाक और भयावाह था, कैसे आइए आपको बताते हैं।

सीआईए द्वारा सार्वजनिक किए गए एक दस्तावेज ने एक चौंकाने वाला और खौफनाक खुलासा हुआ है। सीआईए ने एक दुर्घटनाग्रस्त यूएफओ से एलियंस द्वारा किए गए कथित नरसंहार का खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, तत्कालीन सोवियत संघ के सैनिकों ने करीब 35 साल पहले साइबेरिया में सोवियत सैन्य इकाई के ऊपर मंडरा रहे एक यूएफओ यानी उड़न तश्तरी को मार गिराया था। हालांकि, उसके बाद जो हुआ वह वाकई भयानक था। अमेरिकी खुफिया एजेंटों द्वारा हासिल की गई 250 पन्नों की एक सीक्रेट गुप्त फ़ाइल का हवाला देते हुए, दस्तावेज़ में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि उस समय पांच एलियंस अपने बर्बाद हो चुके यान से बाहर निकले तो उन्होंने तीव्र ऊर्जा के विस्फोट में विस्फोट किया और 23 सैनिकों को ठोस चट्टान में बदल दिया था।

पीता है खुद का यूरिन, नहाता भी उसी से है, बोला- यही है मेरी फिटनेस का राज

न्यूयार्क। कुछ लोग फिटनेस फ्रीक होते हैं। ऐसे लोग खुद को मेंटेन रखने के लिए नियमित जिम जाने के साथ-साथ एक खास तरह का डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन, अमेरिका के एक पूर्व मॉडल ने अपनी दमकती त्वचा और सुपरफिट बॉडी का जो सीक्रेट बताया है, उसे सुनकर लोग दंग रह गए हैं।

यहां बात हो रही है अमेरिका के एरिजोना के रहने वाले 59 वर्षीय पूर्व मॉडल और स्वघोषित हेल्थ एक्सपर्ट ट्रॉय केसी की, जो लेखक भी हैं। वह इंटरनेट पर खुद को 'मिस्टर हेल्थनट' कहते हैं। उम्र के इस पड़ाव में भी केसी किसी युवा की तरह जोशिले और फिट दिखते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, केसी का दावा है कि उनकी फिटनेस और दमकती त्वचा का राज 'यूरिन' (यानी उनका पेशाब) है, जिसे वह पिछले दो दशक से पीते आ रहे हैं।

दुनिया की अंतिम प्री-नियोलिथिक ग्रुप का माना जाता है

भारत की वो जगह, जहां जाना तो दूर, झांकने पर भी बैन, घुसते ही मिलेगी सजा-ए-मौत

नई दिल्ली। भारत एक डेमोक्रेटिक देश है। यहां के नागरिक पूरे देश में कहीं भी जा सकते हैं। चाहे जॉब के सिलसिले में हो या घूमने के पर्पस से, भारतीय देश के किसी भी हिस्से में आने-जाने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसी जगह है, जहां जाने पर इंडियंस के ऊपर बैन लगा है। इस जगह पर जाने की गलती करना यानी अपने प्राण को खतरे में डालना। आजतक जिसने भी इस जगह पर जाने की कोशिश की है, उसकी जान चली गई है।

नियम तोड़ने का अंजाम

अंडमान और निकोबार आइलैंड का हिस्सा इस द्वीप पर बाहरी लोगों का प्रवेश निषेध है। हाल ही में इस द्वीप पर एक अमेरिकी शख्स ने एंट्री ली। 24 साल के मिखाइलो विक्ट्रोविच पोल्याकोव ने बिना परमिशन के इस द्वीप में एंट्री ली थी। शख्स 26 मार्च को पोर्ट ब्लेयर गया था और इसके बाद चुपके से आइलैंड में घुस गया। इसके बाद 31 मार्च को उसे पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। शख्स की गिरफ्तारी की जानकारी गृह विभाग को दी गई है।

बेहद खतरनाक है ये आइलैंड

नॉर्थ सेंटिनल द्वीप सेंटिनली लोग रहते हैं। ये जनजाति विलुप्त होने के कगार पर है। इन्हें दुनिया की अंतिम प्री-नियोलिथिक ग्रुप का माना जाता है जो 12,000 से 8,500 साल ईसा पूर्व की जनजाति है। इस द्वीप पर मात्र पांच सौ लोग रहते हैं। ये लोग बाहर की दुनिया से पूरी तरह कटे हुए हैं। बाहर से आए किसी भी शख्स को ये लोग मार देते हैं। 2018 में एक शख्स ने यहां के लोगों से मुलाकात करने की कोशिश की थी, लेकिन उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके बाद 2006 में मछली पकड़ते दो मछुआरे गलती से इस द्वीप पर जा पहुंचे थे।

अनोखे अंदाज में बच्चों को सिखाया पाठ

शिक्षिका बनी चलती-फिरती किताब

बार्सिलोना। आज के समय में बच्चों को पढ़ाना किसी चुनौती से कम नहीं है। किताबों से ध्यान हटाकर उन्हें पढ़ाई में दिलचस्पी दिलाना एक बड़ा काम है। खासकर जब बच्चों की दुनिया मोबाइल, वीडियो गेम और सोशल मीडिया तक सिमट गई हो। लेकिन, क्या होगा अगर एक टीचर पढ़ाने के नाम पर सारी हदें पार कर दे। कुछ ऐसा किया स्पेन की एक टीचर वेरोनिका ड्यूक ने. छात्रों को पढ़ाने के लिए वेरोनिका ने न सिर्फ उनके स्कूल में, बल्कि पूरे इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। उन्होंने विज्ञान को दिलचस्प बनाने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया और खुद एक चलती-फिरती किताब बन गईं!

वेरोनिका ड्यूक एक साधारण शिक्षिका नहीं हैं। वह हमेशा नए और मजेदार तरीकों से पढ़ाने की कोशिश करती हैं। जब उन्हें एहसास हुआ कि उनके तीसरी कक्षा के छात्र विज्ञान में शरीर रचना को समझने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं, तो उन्होंने एक अनोखा तरीका निकाला। उन्होंने ऑनलाइन शॉपिंग कर के एक ऐसा बॉडीसूट मंगाया, जिसमें मानव शरीर के अंदरूनी अंगों की तस्वीरें बनी हुई थीं।

बॉडीसूट के जरिए मानव शरीर के अंदरूनी अंगों को बताया

जैसे ही वेरोनिका अपनी कक्षा में पहुंचीं, बच्चे हैरान रह गए। वे सोच ही नहीं पा रहे थे कि उनकी टीचर अचानक शरीर रचना की किताब कैसे बन गईं! उनके पहनावे में शरीर के अंदरूनी अंग जैसे फेफड़े, दिल, पेट, आंतें आदि स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। दरअसल, उन्होंने इस बॉडीसूट के जरिए बच्चों को यह समझाने की कोशिश की कि मानव शरीर के अंदरूनी अंग किस तरह के होते हैं और उनका क्या काम होता है। उनके इस अनोखे अंदाज ने बच्चों को न सिर्फ पढ़ाई में रुचि दिलाई, बल्कि उन्होंने जो सीखा, उसे भूलना भी नामुमकिन हो गया। वेरोनिका के इस अनोखे अंदाज की तस्वीरें और वीडियो उनके पति ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। देखते ही देखते यह वायरल हो गया और हजारों लोगों ने इसे लाइक किया।

लोगों ने की इस पहल की जमकर

लोगों ने वेरोनिका की इस पहल की जमकर तारीफ की। कई शिक्षकों ने कहा कि ऐसे अनोखे तरीके ही बच्चों को पढ़ाई की ओर आकर्षित कर सकते हैं। एक यूजर ने लिखा, 'काश, मेरे स्कूल में भी ऐसी टीचर होती, तो मैं भी विज्ञान का टॉपर बन जाता।' वहीं, एक अन्य यूजर ने कहा, 'हर टीचर को इससे सीख लेनी चाहिए।' हालांकि, कुछ लोगों ने इस पर नेगेटिव कमेंट भी किया।

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

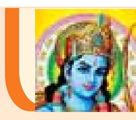

रामनवमी विशेष

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य
शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

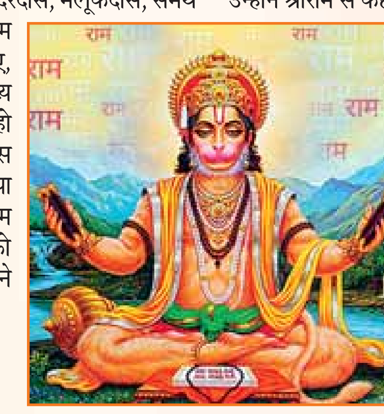

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी कहने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
टेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य
संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोर्ट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।